PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 209 ● भिलाई, मंगलवार 24 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

भारत पर नहीं लगेगा ट्रंप टैरिफ?

नई दिल्ली। यूनाइटेड स्टेट्स कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। सीबीपी का कहना है कि वे मंगलवार, 24 फरवरी की रात 12 बजे ईएसटी से इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत टैरिफ लेना बंद कर देंगे। सीबीपी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, यूएस के ट्रेडिंग पार्टनर्स पर लगाए गए सभी तरह के टैरिफ, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर भारत जैसे देशों पर लगने वाली ड्यूटी भी शामिल है, 24 फरवरी से खत्म हो जाएंगे।

आईपीएस सुनील नायक को कोर्ट से राहत

पटना। पटना में सोमवार को उस वक्त हलचल मच गई जब आंध्र प्रदेश पुलिस की टीम द्धत्त रैंक के अधिकारी को गिरफ्तार करने पहुंची।

मामला 2005 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस एम. सुनील नायक से जुड़ा है। उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर आंध्र ले जाने की तैयारी थी। लेकिन पटना सिविल कोर्ट ने आंध्र पुलिस की मांग खारिज कर दी।₹ष्ठछ्रू-12 की अदालत ने कागजातों की कमी पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने साफ कहाबिना वारंट और अपडेट केस डायरी के कार्रवाई स्वीकार नहीं। सुनवाई के दौरान पता चला कि गिरफ्तारी वारंट प्रस्तुत नहीं किया गया था। केस डायरी भी अपडेट नहीं थी।

बस त्रिशूली नदी में गिरी, 18 की हुई मौत

काठमांडु। नेपाल में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पोखरा से राजधानी काठमांडू जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर धादिंग जिले में त्रिशूली नदी में जा गिरी। इस दुखद घटना में अब तक 18 यात्रियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 25 अन्य घायल हैं। यह हादसा सोमवार तड़के करीब 1:15 बजे पृथ्वी हाईवे पर बेनिघाट रोरांग ग्रामीण नगरपालिका-3 के चिनाधारा, चरौंडी इलाके में हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी और अचानक सड़क से फिसलकर करीब 300 मीटर गहरी ढलान से नीचे गिरती हुई सीधे नदी किनारे जा पहुंची।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र शुरू

राज्य में विकास की अपार संभावनायें: राज्यपाल डेका

रायपुर। छत्तीसगढ़ की 6वीं विधानसभा के अष्टम् सत्र में अभिभाषण पढ़ते हुए राज्यपाल ने कहा कि आप सभी को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना और हमारी विधानसभा की रजत जयंती की बहुत-बहुत बधाई। राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के करकमलों से हमारी विधानसभा के नवीन भवन का लोकार्पण हुआ। आप सभी को लोकतंत्र के मंदिर इस नये भवन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रदेश की षष्ठम् विधानसभा के वर्ष 2026 में आयोजित इस प्रथम सत्र में आप सभी का हार्दिक अभिनंदन है। अब हमारे प्रदेश ने विकसित राज्य की ओर अपना नया सफर शुरू किया है। सामूहिक प्रयत्न और संकल्प से निश्चित रूप से हम वर्ष 2047 तक विकसित राज्य का लक्ष्य प्राप्त करेंगे। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने हमारे राज्य का निर्माण किया। उन्होंने जिस संकल्पना को लेकर छत्तीसगढ़ बनाया, उसे पूरा होते देखकर बहुत खुशी होती है। छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं हैं। यहां की सरल, सहज और मेहनतकश जनता की बदौलत मेरी सरकार इन संभावनाओं को साकार करने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रही है।

इससे पूर्व राज्यपाल के विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

राज्यपाल का अभिभाषण

- ♦मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अंत्योदय का कल्याण है। मेरी सरकार की प्रत्येक नीति में यह सोच है कि इसके लागू होने से आखिरी पंक्ति में खड़े नागरिक को किस तरह से लाभ मिलेगा। जब इस सोच के अनुरूप नीति बनती है तो समावेशी विकास की दिशा में कदम स्वत: बढ़ जाते हैं।
- ♦ समावेशी विकास में महिला सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। मातृ शक्ति को सशक्त बनाना मेरी सरकार की प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ इस वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।
- ♦ सामाजिक कल्याण के साथ तीव्र आर्थिक विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नये जमाने के अनुरूप मेरी सरकार ने नवाचार भी किया है जिसका व्यापक असर प्रदेश के आर्थिक विकास के आंकड़ों में नजर आता है।

विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का ♦ सपना तभी साकार होगा, जब किसान मजबूत और समृद्ध होंगे। इसलिए मेरी सरकार उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने, फसल का उचित मूल्य दिलाने और बाजार तक उनकी आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर काम कर रही है।

- ♦ इस वर्ष 25 लाख 24 हजार किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया और 33 हजार 431 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। मेरी सरकार ने 'कृषक उन्नति योजना' के तहत होली से पहले किसानों को 10 हजार 292 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्णय लिया है।
- ♦ केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार भी किसान हितैषी सरकार है। छत्तीसगढ़ के 24 लाख 72 हजार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।
- ♦मेरी सरकार के कल्याणकारी दायरे में भूमिहीन कृषक मजदूर भी शामिल हैं। राज्य के 5 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' के तहत सालाना 10 हजार रुपए दिए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण, जीएसडीपी में 11.57% बढ़ोतरी का अनुमान

राज्य विधानसभा में आज वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया। सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 11.57 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। चालू मूल्यों पर त्रस्ष्ठक्क का आकार 6.31 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

तीनों प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत बढ़त: आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार-कृषि क्षेत्र में 12.53% वृद्धि का अनुमान है। उद्योग क्षेत्र में 10.26% वृद्धि संभावित है। सेवा क्षेत्र में सर्वाधिक 13.15% की वृद्धि का अनुमान है। वहीं स्थिर भावों पर राज्य की आर्थिक वृद्धि दर 8.11 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। पिछले वर्ष का प्रदर्शन भी रहा मजबूत

वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ ने 10.50 प्रतिशत की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि दर्ज की। कृषि क्षेत्र में 11.76% वृद्धि, उद्योग क्षेत्र में 9.91% बढ़ोतरी, सेवा क्षेत्र में 10.08त्न वृद्धि दर्ज की गई, प्रति व्यक्ति आय में भी बढ़ोतरी, वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1,79,244 रुपए अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.07 प्रतिशत अधिक है।

तेजस विमान में तकनीकी खराबी आई थी, दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ : एच ए एल

नयी दिल्ली। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने वायु सेना के एक स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान के इस महीने के शुरू में दुर्घटनाग्रस्त होने की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा है कि इस विमान को तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा था और उसे किसी भी तेजस विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना नहीं है। वायु सेना के लिए तेजस बनाने वाले उपक्रम एचएएल ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने तथा तेजस विमानों की उडान रोके जाने की मीडिया में आई रिपोर्टों पर सोमवार को स्पष्टीकरण दिया। एच ए एल ने कहा कि एलसीए तेजस के किसी भी विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की कोई सूचना नहीं है। सार्वजनिक उपक्रम ने कहा कि जिस घटना का मीडिया में हवाला दिया जा रहा है वह ज़मीन पर हुई एक मामूली तकनीकी समस्या थी। सार्वजनिक उपक्रम ने कहा है कि तेजस का समकालीन लड़ाकू विमानों में विश्व में सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा रिकॉर्ड है और वह इसे बनाये हुए है। एचएएल ने कहा है कि मानक संचालन प्रक्रिया के तहत इस मुद्दे का गहन विश्लेषण किया जा रहा है और एचएएल त्वरित समाधान के लिए वायु सेना के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ताजा घटना इस महीने के शुरू में वायु सेना के एक प्रमुख एयर बेस पर उस समय हुई जब यह विमान नियमित प्रशिक्षण उडान के बाद रनवे पर उतर रहा था। दुर्घटना में पायलट समय रहते पैराशूट की मदद से बच निकलने में सफल रहा।

मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता को खुला पत्र लिखकर ममता सरकार की आलोचना की

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता को एक खुला पत्र लिखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की फर्जी मतदाताओं, अवैध घुसपैठ, बेरोजगारी और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की है। 'पश्चिम बंगाल के मेरे प्रिय नागरिकों' को संबोधित और 'जय मां काली' के अभिवादन के साथ शुरू होने वाला यह पत्र भाजपा के घर-घर जनसंपर्क अभियान के हिस्से के रूप में मतदाताओं के बीच वितरित किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले, यह पत्र भाजपा के चुनावी संपर्क का एक प्रमुख हिस्सा है।

भारत ने अपने नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दी

नयी दिल्ली। भारत ने ईरान में निरंतर बदल रही स्थिति को देखते हुए वहां रह रहे भारतीय नागरिकों (छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यवसायियों और पर्यटकों) को वाणिज्यिक उड़ानों सहित सभी उपलब्ध परिवहन साधनों के माध्यम से ईरान छोड़ने की सलाह दी है।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को एक परामर्श जारी कर कहा है कि इस वर्ष पांच जनवरी को जारी परामर्श के क्रम तथा ईरान में विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों (छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यवसायियों और पर्यटकों) को उपलब्ध परिवहन साधनों, जिनमें वाणिज्यिक उड़ानें भी शामिल हैं, के माध्यम से ईरान छोड़ने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने 14 जनवरी को जारी परामर्श को दोहराते हुए कहा है कि सभी भारतीय नागरिक और भारतीय मूल के व्यक्ति आवश्यक सावधानी बरतें, विरोध प्रदर्शनों या धरनों वाले क्षेत्रों से दूर रहें, ईरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें तथा किसी भी नए घटनाक्रम के लिए स्थानीय मीडिया पर नजर बनाए रखें। परामर्श में कहा गया है कि ईरान में सभी भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने यात्रा और आव्रजन दस्तावेज, जिनमें पासपोर्ट और पहचान पत्र शामिल हैं, अपने पास सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध रखें। इस संबंध में किसी भी सहायता के लिए वे भारतीय दूतावास से संपर्क करें। परामर्श में ईरान में भारतीय दूतावास के आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर साझा किये गये हैं जो 989128109115, 989128109109, 989128109102; 989932179359 हैं।

अनिल टूटेजा गिरफ्तार 26 तक पुलिस रिमांड पर

रायपुर। प्रदेश के बहुचर्चित डीएमएफ घोटाला मामले में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा को गिरफ्तार किया गया है।

ईओडब्ल्यू के अनुसार विवेचना के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य, दस्तावेज और विभिन्न व्यक्तियों के बयान के आधार पर प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि टूटेजा ने डीएमएफ निधि से संबंधित विभिन्न कार्यों में अपने परिचित व्यक्तियों और फर्मों को कथित रूप से कमीशन लेकर काम दिलाया। जांच में यह भी आरोप सामने आए हैं कि टूटेजा ने अपने रिश्तेदारों और करीबियों के फर्म को कमीशन लेकर काम दिया। डिजिटल एविडेंस और बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया टूटेजा के खिलाफ शासकीय राशि के दुरुपयोग, आपराधिक षड्यंत्र और भ्रष्ट आचरण से संबंधित संज्ञेय आरोप हैं। गिरफ्तारी के बाद टूटेजा को कोर्ट में पेश किया गया और 26 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

सीएम योगी ने सिंगापुर के जीआईसी के साथ की दीर्घकालिक निवेश पर चर्चा

सिंगापुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सिंगापुर दौरे के दौरान प्रमुख संप्रभु निवेश संस्था जीआईसी (गवर्मेंट ऑफ सिंगापुर इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लिम चो किआट और उनकी टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश में जीआईसी के दीर्घकालिक निवेश की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जीआईसी को उत्तर प्रदेश में दीर्घकालिक निवेश के अवसरों का अन्वेषण करने के लिए आमंत्रित करते हुए राज्य की नीतिगत स्थिरता, सुशासन, मजबूत कानून-व्यवस्था, 25 करोड़ से अधिक की विशाल उपभोक्ता आबादी तथा तेजी से विकसित हो रहे अवसंरचना तंत्र को प्रमुख आकर्षण के रूप में रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला राज्य है और सरकार निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। बैठक में औद्योगिक कॉरिडोर के किनारे लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग अवसंरचना के विकास, अक्षय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं, डेटा सेंटर एवं डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, उभरते शहरी केंद्रों में वाणिज्यिक रियल एस्टेट व इंटीग्रेटेड टाउनशिप, एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप फिनटेक एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा भविष्य उन्मुख उद्योगों के लिए कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को 'फ्यूचर-रेडी' औद्योगिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर पार्क और नए औद्योगिक शहरों का तेजी से विकास हो रहा है, जो दीर्घकालिक निवेशकों के लिए स्थिर और लाभकारी अवसर प्रदान करते हैं। जीआईसी, जो विश्व की प्रमुख दीर्घकालिक संप्रभु संपत्ति निवेश संस्थाओं में से एक है।

जनकल्याणकारी नीतियों से मजबूत हो रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 प्रदेश की मजबूत, संतुलित और विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, किसानों के हित में लिए गए निर्णयों, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने तथा सेवा क्षेत्र के विस्तार के कारण छत्तीसगढ़ आज विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2025-26 में प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद प्रचलित भावों पर बढ़कर लगभग 6 लाख 31 हजार 291 करोड़ रुपये अनुमानित है, जिसकी वृद्धि दर 11.57 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ में विकास के सभी प्रमुख क्षेत्र समान रूप से प्रगति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में 12.53 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है, जो किसानों की

मेहनत, तकनीकी नवाचार, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा सरकार की किसान-हितैषी योजनाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और समृद्ध किसान ही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव हैं। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश की औद्योगिक शक्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार उद्योग क्षेत्र में 10.26 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है और राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योग का योगदान लगभग 49 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश, अधोसंरचना विकास और रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे प्रदेश की आर्थिक संरचना और अधिक मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा क्षेत्र में 13.15 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, आईटी एवं डिजिटल सेवाओं में विस्तार के कारण युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा क्षेत्र के विकास से राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2025-26 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर लगभग 1.79 लाख रुपये अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.07 प्रतिशत वृद्धि दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि यह प्रदेशवासियों की बढ़ती आय, आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और सरकार की विकासोन्मुख नीतियों का सकारात्मक परिणाम है।

हर परिवार की समृद्धि हमारा लक्ष्य- मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक परिवार की आय बढ़े, जीवन स्तर बेहतर हो और समृद्धि हर घर तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर परिवार आर्थिक रूप से सशक्त एवं खुशहाल बने।

मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ आने वाले वर्षों में देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान और मजबूत करेगा तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नया रायपुर स्थित शांति सरोवर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्मानित सदस्यों के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेह, आत्मीयता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि बहनों के प्रेम और आदर से हम सब अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़े स्नेह के साथ विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन एक सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मिक शांति के प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शांति सरोवर और शांति शिखर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों में सदैव सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। संस्था का 137 से अधिक देशों में विस्तार होना अत्यंत सुखद और प्रेरक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में जनजागृति लाने का कार्य कर रहा है। महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में संस्था की भूमिका उल्लेखनीय है। जनजातीय क्षेत्रों में भी संस्था द्वारा सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से स्थानीय लोगों को व्यापक लाभ मिला है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ब्रह्माकुमारी बहनों के अतिथि बने और पवित्र ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कैबिनेट मंत्रीगण और सभी विधायकगणों ने भी ब्रह्मा भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा के सभी सदस्यों को माउंट आबू आने का आग्रह किया, जिसे मुख्यमंत्री साय ने सहर्ष स्वीकार करते हुए वहां आने की सहमति दी। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

CMYK

पीएससी प्रारंभिक परीक्षा में जिले के 2 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

कलेक्टर ने की परीक्षा तैयारियों की समीक्षा,निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

बलौदाबाजार। आगामी 22 फ़रवरी 2026 को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस परीक्षा में जिले के 2149 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा की तैयारी को लेकर कलेक्टर दीपक सोनी ने शुक्रवार को केंद्राध्यक्ष व ऑब्जर्वर की बैठक ली। उन्होंने तैयारियों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया जाए और आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर संवेदनशील है। बिना किसी त्रुटि के एवं पारदर्शी ढंग से परीक्षा सम्पन्न कराएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न हो, निर्देशों का कड़ाई से पालन हो और अपने दायित्व का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करें। सभी परीक्षा केंद्रों पर फ्रिस्किंग की प्रक्रिया पूर्ण रूप से लागू हो और किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जैसे मोबाइल, ब्लूटूथ डिवाइस आदि को परीक्षा केंद्र में लाने की अनुमति न दी जाए। अभ्यर्थियों की पहचान का सत्यापन आधार एवं प्रवेश पत्र के आधार पर किया जाए और कक्षा में प्रवेश से पहले उनका चेकिंग कार्य सटीक रूप से हो। बताया गया कि परीक्षा आयोजन हेतु जिले में 7 केंद्र बनाए गए हैं जिसमें डी के कॉलेज बलौदाबाजार, मिनीमाता शासकीय कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार, एमडीव्ही स्कूल बलौदाबाजार,पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल बलौदाबाजार, शासकीय महाविद्यालय लवन, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल लवन एवं स्वामी आत्मानंद शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल अर्जुनी शामिल हैं। प्रथम पाली प्रातः 10 से अपरान्ह 12 बजे तक सामान्य अध्ययन एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 3 बजे से अपरान्ह 5ःबजे तक अभिरूचि परीक्षा आयोजित होगी। बैठक में डिप्टी कलेक्टर व नोडल अधिकारी अरुण कुमार सोनकर सहित केन्द्राध्यक्ष एवं ऑब्जर्वर उपस्थित थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण कराया

कोरिया। शासन के निर्देशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलका के कुल 20 छात्राओं को शासकीय पॉलिटेनिक कॉलेज सलका का भ्रमण कराया गया। विज्ञान संग्रहालय भ्रमण कराने का मुख्य उद्देश्य- अनुभवात्मक शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, जिज्ञासा जगाना, ज्ञान को व्यवहारिक बनाना, नवाचार को बढ़ावा देना है जिसमें पॉलिटेनिक कॉलेज में संचालित होने वाले विभिन्न यूनिटों का विजिट कराया गया, जिसमें साइंस म्यूजियम, इंजिनीयरिंग शाखाएं शिविल इंजिनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक एवं कम्यूनिकेशन इंजिनीयरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजिनीयरिंग, केमिकल इंजिनीयरिंग के संबंध में छात्राओं को कॉलेज प्रबंधन के द्वारा जानकारी प्रदान की गई। छात्राओं को इंजिनीयरिंग के क्षेत्र में पढ़ाई हेतु प्रोत्साहित किया गया। आज कार्यक्रम में प्राचार्य श्री मोनेश कुमार गजेन्द्र, व्याख्याता-श्री दीपक कुमार साहू, व्याखाता-श्री अंकित कुमार, व्याखाता-श्री हर्षित राय, कनिष्ठ प्रशिक्षक श्री सुनील कुमार राजवाड़े, कनिष्ठ प्रशिक्षक श्री विवेक कुमार एक्का, तकनीकी सहायक श्री धीरज कुमार एवं महिला सशक्तिकरण केन्द्र-मिशन शक्ति से जिला मिशन समन्वयक श्रीमती दीपिका पटेल, नवा बिहान से महिला संरक्षण अधिकारी-श्रीमती वित्तबाला श्रीवास्तव तथा जेण्डर विशेषज्ञ श्रीमती पुष्पा सिंह उपस्थित रहे।

अल्दा में 77वां अखंड नवधा रामायण समारोह 2026: आस्था और भक्ति का महाकुंभ, परंपरा का गौरव, आस्था का उत्सव

तिल्दा-नेवरा/ तिल्दा-नेवरा क्षेत्र के ग्राम अल्दा में धर्म, श्रद्धा और परंपरा का पावन संगम एक बार फिर साकार होने जा रहा है। गांव की ऐतिहासिक धार्मिक परंपरा 77वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है और इसी कड़ी में अखंड नवधा रामायण समारोह 2026 का भव्य आयोजन पूरे हर्षोल्लास के साथ किया जा रहाहै। इस आयोजन को लेकर गांव में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो चुका है और हर घर में उत्साह का माहौल है।आयोजन समिति के अनुसार, कार्यक्रम का शुभारंभ 18 फरवरी 2026 से जो 27 फरवरी 2026 तक निरंतर जारी रहेगा। इन दस दिनों में अखंड रामायण पाठ, भजन-कीर्तन, संत प्रवचन, भक्ति संध्या एवं प्रसाद वितरण जैसे विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। प्रतिदिन श्रद्धालु भक्तिभाव से रामचरितमानस के पाठ में सहभागी बनेंगे। संध्या समय क्षेत्र की प्रतिष्ठित मानस मंडलियों द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे पूरा वातावरण राममय हो उठेगा। संतों के प्रेरणादायी प्रवचन समाज को धर्म, संस्कार और नैतिकता का संदेश देंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने हेतु ग्राम पंचायत, रामायण समिति एवं समस्त ग्रामवासी एकजुट होकर सेवा में लगे हुए हैं। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए बैठक व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल एवं प्रसाद की समुचित व्यवस्था की गई है।

समिति ने क्षेत्रवासियों सहित आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने एवं आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

रामायण समिति एवं समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत अल्दा

सौर सुजला योजना ने बदली किसानों की तकदीर, अकार्यशील पंपों के सुधार से फिर लौटी हरियाली

फसल उत्पादन में वृद्धि के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मिल रही मजबूती

मोहला । जिले में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा वर्ष 2016-17 से अब तक 2317 कृषकों के खेतों में कृषि सिंचाई हेतु सोलर पंप स्थापित किए जा चुके हैं। इन सोलर पंपों ने न केवल किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा दी है, बल्कि उन्हें बिजली बिल के बोझ से भी मुक्ति दिलाई है। सौर ऊर्जा आधारित पंपों के उपयोग से शासन की करोड़ों रुपये की बिजली बचत हो रही है और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। 'सौर सुजला' योजना उन किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिनके पास कृषि भूमि तो है, लेकिन सिंचाई की समुचित व्यवस्था नहीं थी। कई किसान विद्युत लाइन विस्तार की अधिक लागत के कारण सिंचाई सुविधा नहीं ले पा रहे थे और मानसून पर निर्भर रहते थे। समय पर वर्षा न होने से फसलें प्रभावित होती थीं और परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता था। ऐसे में सौर ऊर्जा आधारित पंपों ने उनके खेतों में नई उम्मीद जगाई है। हालांकि, प्राकृतिक आपदाओं, तकनीकी खराबी या असामाजिक तत्वों द्वारा नुकसान पहुंचाने के कारण कुछ सोलर पंप अकार्यशील हो गए थे। किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए क्रेडा प्रधान कार्यालय रायपुर द्वारा संबंधित स्थापनाकर्ता इकाइयों की जमा सुरक्षा निधि से राशि कटौती कर सुधार कार्य की स्वीकृति दी गई। इसके बाद विकासखंड मोहला के कोर्रामटोला, दुग्गाटोला, काण्डे तथा मानपुर के नेवरगांव सहित कई गांवों में पंप और कंट्रोलर बदलकर सोलर पंपों को पुनः चालू किया गया। अब इन गांवों के किसानों के खेतों में फिर से सिंचाई सुचारु रूप से हो रही है। इससे फसल उत्पादन में वृद्धि के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। भू-जल संरक्षण और डीजल आधारित पंपों पर निर्भरता में कमी आने से पर्यावरणीय लाभ भी स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। योजना अंतर्गत हितग्राहियों का चयन कृषि विभाग द्वारा किया जाता है। पंप की क्षमता के अनुसार अजा एवं अजजा वर्ग के लिए 3 एचपी पंप हेतु 10,000 रुपये तथा 5 एचपी हेतु 14,800 रुपये अंशदान निर्धारित है, जबकि अन्य वर्गों के लिए निर्धारित राशि के अनुसार अंशदान लिया जाता है। सौर सुजला योजना के माध्यम से क्रेडा ने यह साबित किया है कि तकनीक और संवेदनशील प्रशासनिक पहल से किसानों के जीवन में वास्तविक और स्थायी परिवर्तन लाया जा सकता है।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम बम्हनी में 29.20 लाख से निर्मित महतारी सदन का किया लोकार्पण

महतारी सदन से गांव की महिलाएं होंगी संगठित और आत्मनिर्भर-उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

महिलाओं को मिला सशक्तिकरण का नया केंद्र

कवर्धा। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और संगठित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम बम्हनी में 29.20 लाख रुपये की लागत से निर्मित महतारी सदन का लोकार्पण किया। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भवन का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य डॉ वीरेन्द्र साहू, जिला लोधी समाज अध्यक्ष संतोष कौशिक, सुरेश सिंगौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इसके लिए गांव स्तर तक ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। महतारी सदन बनने से क्लस्टर स्तर पर महिलाओं की बैठक, प्रशिक्षण, सामाजिक कार्यक्रम और विभिन्न गतिविधियों के लिए एक स्थायी एवं सुरक्षित स्थान उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह भवन ग्रामीण महिलाओं के लिए केवल बैठक स्थल नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक महतारी सदन में दुकानों का भी निर्माण किया गया है, जिससे भवन के संचालन और रखरखाव का खर्च स्वयं पूरा किया जा सकेगा। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर भी मिलेंगे और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि कबीरधाम जिला को महतारी सदन योजना के अंतर्गत 19 महतारी सदनों की महत्वपूर्ण सौगात मिली है, जिनका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इससे पहले जिले में 5 महतारी सदनों का लोकार्पण मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया जा चुका है। इन भवनों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर संसाधन, प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर और सामाजिक मंच उपलब्ध होंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का संचालन भी किया जाएगा। इसके माध्यम से महिलाओं को महतारी वंदन योजना की राशि, वृद्धा पेंशन तथा अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ गांव में ही आसानी से मिल सकेगा। अब हितग्राहियों को बैंक या शहर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

कथा के सातवें दिवस सुदामा चरित्र कि कथा सुनकर भावुक हुए श्रोता,,ईश्वर प्राप्ति बाह्य प्रदर्शन से नहीं, अंतर्मन की श्रद्धा और साधना से संभव है स्वामी: आत्मानंद गिरी जी महाराज

स्वामी आत्मानंद गिरी जी महाराज,,,जूना अखाड़ा के दिव्य दर्शन के लिए दूर दराज से आ रहे भक्त

बेमेतरा। समीपस्थ ग्राम देवादा में स्व. संदीप वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पिता रामखिलावन वर्मा एवं समस्त परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के छठवें दिवस श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कथा पांडाल में भजन-कीर्तन, मंत्रोच्चार और धर्मचर्चा के साथ पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।कथा व्यास के रूप में पधारे स्वामी आत्मानंद गिरी जी महाराज (पंचदश नाम जूना अखाड़ा) ने श्री सुदामा चरित्र परीक्षित मोक्ष के प्रसंगों का सरस एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि ईश्वर प्राप्ति बाह्य प्रदर्शन से नहीं, अंतर्मन की श्रद्धा और साधना से संभव है। उन्होंने कहा कि जब बिंदु सिंधु में मिल जाता है तो उसका अलग अस्तित्व नहीं रहता–उसी प्रकार मनुष्य जब ईश्वर में लीन होता है, तब अहंकार समाप्त हो जाता है। अपने प्रवचन में स्वामी जी ने धर्म के व्यापक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू कोई व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने चरित्र निर्माण को जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि व्यक्ति का वास्तविक परिवर्तन पद या व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उसके आचरण और चरित्र से होता है। उन्होंने समाज में नैतिकता, सेवा और करुणा की आवश्यकता पर जोर देते हुए गौसेवा को कल्युग में मोक्ष का सरल मार्ग बताया। स्वामी जी के शब्दों में–÷गौ माता में साक्षात लक्ष्मी का निवास है, प्रत्येक घर में गौपालन से समृद्धि, शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।÷इस अवसर पर मुख्य यजमान सुनील वर्मा, रामखिलावन वर्मा, अहिल्या वर्मा सहित परिवारजनों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

कार्यक्रम में माँ भद्रकाली जिला मानस संघ के अध्यक्ष देवलाल सिंहा, रामकुमार शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, संत वर्मा, घनश्याम साहू, चुरामन साहू सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

ई-ऑफिस, बायोमेट्रिक उपस्थिति व डीबीटी में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर

समय–सीमा की बैठक संपन्न, समय–सीमा बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश

एमसीबी। जिले के कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर ने बताया कि सभी शासकीय कार्यालयों में आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है। अतः अधिकारी एवं कर्मचारी प्रातः 10:00 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें। साथ ही, आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु प्रत्येक मंगलवार एवं बुधवार को जिला अधिकारी अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त शासकीय नस्तियों का संधारण एवं निराकरण केवल ई-ऑफिस के माध्यम से किया जाए। जिन कार्यालयों का ई-ऑफिस में ऑनबोर्डिंग शेष है, वे जिला ई-डिस्ट्रिक्ट से समन्वय स्थापित कर अपने संचालनालय को पत्र प्रेषित करते हुए शीघ्र ऑनबोर्डिंग की कार्यवाही पूर्ण करें। बैठक में राष्ट्रगीत के आधिकारिक संस्करण के गायन, शासकीय कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल के पालन तथा आमंत्रण पत्रों एवं मंचीय व्यवस्था में निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन अब जिला लक्ष्य के मापदंडों के अनुरूप प्रेषित किए जाएंगे। कलेक्टर ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन तथा हितग्राही मूलक डीबीटी योजनाओं में आधार आधारित ई-केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने सभी शालाओं में बालिका शौचालय 8 मार्च 2026 से पूर्व क्रियाशील करने के निर्देश दिए। पीएम श्री स्कूलों के नामांकित प्रभारी अधिकारियों को निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार निरीक्षण कर आवश्यक कार्य पूर्ण कराने को कहा गया। साथ ही गणवेश एवं पाठ्यपुस्तक वितरण समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। भूमि आबंटन से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार भूमि का चिन्हांकन, नक्शा, खसरा एवं चौहदी तैयार कर प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए। वन विभाग को एफआरए 3-2 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का संयुक्त निरीक्षण कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नगर निगम चिरमिरी हेतु अग्निशमन वाहन, बिहारपुर में बकरी संवर्धन केंद्र, आरसेटी भवन निर्माण, देवाडांड खड़गवा में नवीन पुलिस चौकी, ऑडिटोरियम हॉल निर्माण, नागपुर में उप तहसील भवन, नगर निगम चिरमिरी में स्काई लिफ्टर तथा चिरमिरी को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने संबंधी घोषणाओं की जानकारी संबंधित विभागों को लिखित रूप से प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जनहित से जुड़े प्रत्येक कार्य में तत्परता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही आवश्यक है। प्रभावी क्रियान्वयन से ही प्रशासन के प्रति जनता का विश्वास सुदृढ़ होता है।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, अपर कलेक्टर श्रीमती नम्रता आनंद डोंगरे, एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ, नगर पंचायत सीएमओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एम्स रायपुर में मरीज ने तीसरी मंजिल से कूदकर दी जान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के एम्स अस्पताल में एक मरीज द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान करण नायक बंजारा के रूप में हुई है, जो खून से संबंधित बीमारी के इलाज के लिए एम्स में भर्ती था। वह अस्पताल के बी ब्लॉक स्थित बी-4 वार्ड में उपचाररत था। बताया जा रहा है कि मरीज ने अस्पताल की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मृतक के परिजनों और अस्पताल प्रबंधन से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

चन्द घंटों में पुलिस की सक्रियता से नाबालिक को सुरक्षित किया बरामद

रायपुर। बिलासपुर शहर के कोनी थाना द्वारा ने गुम नाबालिक बालिका को बरामद कर लिया गया है। उक्त कार्यवाही चन्द घंटों में पुलिस की सक्रियता से नाबालिक को सुरक्षित बरामद किया गया। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने दिनांक 20.02.2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसकी नाबालिक लड़की उम्र करीब 15 वर्ष 06 माह की दामाद के ग्राम निरतू स्थित घर से बिना बताये कहीं चली गई है, कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फूसलाकर अपहरण कर ले गया है, प्रार्थी के उक्त रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया जिसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर रजनेश सिंह के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पंकज कुमार पटेल, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली गगन कुमार (भा.पु.से) के मार्गदर्शन में अपहृता की पतासाजी के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि अपहृता रेलवे स्टेशन घुटकु के आसपास दिखी हैं कि सूचना पर तत्काल टीम भेजकर एरिया सर्च कराया गया पतातलाश में नाबालिक को सुरक्षित बरामद किया गया पूछताछ में नाबालिक ने बताया कि परिवारिक कारणों से गुस्सा होकर ट्रेन से कही चली जाने के फिराक में थी थाना कोनी पुलिस की त्वरित पहल सक्रियता से नाबालिक को बरामद कर लिया गया। प्रकरण में विधिवत अग्रिम कार्यवाही कर नाबालिक को परिजनों के सुपुर्द किया जाता हैं।

ठगडा बांध में भ्रष्टाचार की होगी जांच,गड़बड़ी की खुलेगी पोल

रायपुर। ठगडा बांध के सौंदर्यकरण और अन्य विकास कार्यों में पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे द्वारा लगाए गए अनियमितताओं के आरोपों पर नगर निगम दुर्ग ने सख्त रुख अपनाया है। मामले की विस्तृत जांच के लिए चार सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है। टीम को सात दिनों के भीतर जांच कर विस्तृत रिपोर्ट निगम सभापति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जांच दल में किसी भी अधिकारी को शामिल नहीं किया गया है। दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने ठगड़ा बांध में व्याप्त भ्रष्टाचार और ठेकेदारों द्वारा आम जनता से की जा रही अवैध वसूली के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए जांच की मांग की थी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुनी 'मन की बात' की 131वीं कड़ी

देश के कोने-कोने की सकारात्मक पहल को सामने लाता है मन की बात

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 131वें एपिसोड का श्रवण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, विधायक श्री प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास मद्दी, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला, श्री अखिलेश सोनी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त संवाद बन चुका है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने में हो रहे प्रेरक प्रयासों और असाधारण उपलब्धियों को सामने लाने वाला मंच है, जो समाज में सेवा, नवाचार और सहभागिता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि सभी लोग प्रत्येक माह इसके प्रसारण का बेसब्री से इंतजार करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता और भविष्य की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए देश को नई दिशा का संदेश दिया है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की तकनीकी शक्ति को विश्व ने सराहा और 'मेड इन इंडिया' के तीन एआई मॉडल लॉन्च होना देश की नवाचार क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से तकनीकी नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृषि क्षेत्र में देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत में धान की 500 से अधिक किस्मों की खेती

हो रही है और देश विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के किसानों की अथक मेहनत, वैज्ञानिकों के निरंतर अनुसंधान और सरकार की दूरदर्शी नीतियों का महत्वपूर्ण योगदान है। यह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने वाला परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा अमूल के माध्यम से पशु चिकित्सा और डेयरी प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग तथा 'सुश्रुत संहिता' जैसे प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण और अनुवाद के प्रयासों का उल्लेख भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक के उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह भारत की परंपरा और तकनीक दोनों की शक्ति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री द्वारा केरल की 10 माह की बालिका आलिन शेरिन अब्राहम के अंगदान के निर्णय का उल्लेख करते हुए उसे मानवता की अनुपम मिसाल बताया। उन्होंने बालिका के माता-पिता को नमन करते हुए कहा कि उनका यह निर्णय कई लोगों को नया जीवन देने वाला है तथा समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में प्रेरणादायी साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने डिजिटल फ्रॉड और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर अपराधों से सावधान रहने तथा केवाईसी एवं बैंकिंग सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का महत्वपूर्ण संदेश भी दिया है, जो आज के डिजिटल युग में अत्यंत प्रासंगिक है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने टी-20 विश्व कप में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की उपलब्धियों, राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'राजाजी उत्सव' में सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा स्थापना, परीक्षार्थियों के लिए आत्मविश्वास के संदेश तथा रमजान और होली के पावन अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 'मन की बात' का प्रत्येक एपिसोड आत्मनिर्भर भारत, तकनीकी सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में देश के बढ़ते कदमों का सशक्त उदाहरण है।

बिजली दर वृद्धि,कांग्रेस जनों ने किया प्रदर्शन....

रायपुर। राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा बिजली दरों में प्रस्तावित वृद्धि के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने आज जनसुनवाई में सशक्त आपत्ति दर्ज कराई। न्यू शांति नगर स्थित आयोग कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और बिजली दर वृद्धि प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करने की मांग की। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा कि यह दर वृद्धि आम जनता के खिलाफ सुनियोजित आर्थिक हमला है। जब प्रदेश में स्वयं की उत्पादन क्षमता लगातार घटकर लगभग 30 प्रतिशत रह गई है, तब सरकार अपनी विफलताओं का बोझ जनता पर थोप रही है। श्रीकुमार शंकर मेनन ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों से स्टील उद्योगों को लोड फैक्टर के नाम पर भारी छूट दी जा रही है, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 1500 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। यह घाटा बड़े उद्योगपतियों से वसूलने के बजाय छोटे उपभोक्ताओं, मध्यम वर्ग और किसानों से वसूला जा रहा है। प्रमोद दुबे ने कहा की सरकार उद्योगपतियों को राहत दे रही है और आम नागरिकों की जेब काट रही है।प्रदेश में राज्य उत्पादन कंपनी की बिजली दर लगभग 3.51 प्रति यूनिट है, जबकि बाजार से महंगी बिजली खरीदकर औसत दर 4.07 प्रति यूनिट तक पहुंचा दी गई है। सरकार अपनी खरीद नीति की विफलता छुपाने के लिए दर वृद्धि का सहारा ले रही है।

रायपुर की सूरत बदलने सड़क पर उतरे जनप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल.......

- राजधानी को सुंदर, सुव्यवस्थित और जाम-मुक्त बनाने का लिया संकल्प

रायपुर। संवाददाता

रायपुर के विकास पुरुष और वरिष्ठ भाजपा नेता, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता और जन-सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। सोमवार को उन्होंने राजधानी रायपुर को सुंदर, सुव्यवस्थित और सुगम यातायात युक्त बनाने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा किया। विकास कार्यों की धरातलीय स्थिति परखने और भविष्य की कार्ययोजनाओं को गति देने के

लिए श्री अग्रवाल ने अधिकारियों की टीम के साथ घंटों पसीना बहाया।निरीक्षण के दौरान सांसद श्री अग्रवाल ने शहर के मध्य स्थित व्यस्त सड़कों का अधिकारियों के साथ अवलोकन किया तथा ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए सड़कों को व्यवस्थित करने, अतिक्रमण हटाने एवं यातायात के सुचारु संचालन हेतु ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।सबसे पहले श्री बृजमोहन अग्रवाल ऑक्सीजोन पहुंचे वहां की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया और वहां स्वच्छता, हरियाली एवं नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया और इसे अधिक जन-उपयोगी बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद श्री बृजमोहन अग्रवाल शंकर नगर मेन रोड पहुंचे, शंकर नगर क्षेत्र में लंबे समय से बनी ट्रैफिक जाम की समस्या पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क मार्ग को क्लियर करने एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।सांसद श्री अग्रवाल ने कचना में निर्माणाधीन रेल ब्रिज का निरीक्षण कर उसके निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही जोरा से कचना, मोवा होते हुए ड्रूक्स तक प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए उसकी प्रक्रिया को गति देने पर जोर दिया।

बाबा गुरू घासीदास जी के बताए मार्ग पर काम कर रही हमारी सरकार -मुख्यमंत्री

- गुरूदर्शन व पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली व समृद्धि का लिया आशीर्वाद

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय रविवार को बाबा गुरु घासीदास जी की जन्मभूमि एवं तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में आयोजित संत समागम एवं गुरुदर्शन मेला में शामिल हुए। उन्होंने पूज्य गुरुगद्दी का दर्शन एवं पूजा - अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि के लिये कामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बाबा गुरू घासीदास के मनखे- मनखे एक समान का सन्देश, मानव को मानव से जोड़ने वाला और सद्भाव व समरसता बढ़ाने वाला है। बाबा गुरु घासीदास जी के बताए मार्ग पर हमारी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के द्वारा गिरौदपुरी का सतत् विकास किया जा रहा है। विशाल जैतखाम निर्माण से लेकर अनेक सुविधाओं का विस्तार यहां किया गया है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा किये गए जनसुविधा विस्तार कार्य की सराहना की और कहा कि वेबसाईट और मोबाइल एप्प से भी मेले में उपलब्ध सुविधा की जानकारी श्रद्धालु ले सकते हैं। उन्होंने इस दौरान वहां चस्पा किये गए क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन कर जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर मुख्य मंदिर का प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किया। मुख्यमंत्री के हाथों स्थानीय श्रद्धालु एवं स्व सहायता समूह की महिलाएं प्रसाद ग्रहण कर उत्साहित हुए। गौरतलब है कि गिरौदपुरी में तीन दिवसीय संत समागम एवं गुरू दर्शन मेला 22 फरवरी से प्रारंभ होकर 24 फरवरी 2026 तक चलेगा। प्रदेश सहित देश एवं विदेश से भी सतनाम पंथ के अनुयायी यहां मेले में आए हुए हैं। इस अवसर पर धर्मगुरू गुरु बालदास साहेब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, राजिम विधायक श्री रोहित साहु, जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर श्री नवीन अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक श्री अमरेश मिश्रा, कलेक्टर श्री दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक सुश्री भावना गुप्ता,डीएफओ श्री गणवीर धम्मशील, पूर्व सांसद श्री गुहा राम अजगले, पूर्व विधायक डॉ सनम जांगड़े सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि वरिष्ठ अधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कांग्रेस में बाहरी बनाम स्थानीय चेहरे को लेकर जमकर बहस....

- केटीएस तुलसी और फूलोदेवी नेताम का कार्यकाल समाप्त होगा, कांग्रेस भाजपा को मिलेंगी एक-एक सीटें

रायपुर/ संवाददाता

राज्य में अप्रैल में होने वाले राज्यसभा की दो सीटों के चुनाव के लिए सियासी बिसात बिछ चुकी है। केटीएस तुलसी और फूलोदेवी नेताम का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस के हिस्से में एक-एक सीट जाना तय माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ में खाली हो रही दो सीटों ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। कांग्रेस खेमे में वरिष्ठ अधिवक्ता

अभिषेक मनु सिंघवी के नाम की चर्चा से प्रदेश इकाई में गुटबाजी देखी जा रही है। चर्चा है कि तेलंगाना में बाहरी उम्मीदवार के रूप में विरोध झेल रहे सिंघवी के लिए छत्तीसगढ़ को विकल्प बनाया जा सकता है। सिंघवी के पक्ष में केंद्रीय नेतृत्व की पैरवी और प्रदेश के शीर्ष नेताओं के कानूनी मामलों में उनकी भूमिका को अहम माना जा रहा है। हालांकि स्थानीय बनाम बाहरी का मुद्दा पार्टी के भीतर मतभेद पैदा कर रहा है। एक धड़ा फिर किसी बाहरी को मौका देने के विरोध में है। बताया जा रहा है कि स्थानीय नेता अपनी बात रखने के लिए दिल्ली में हाईकमान से मुलाकात कर सकते हैं। सत्ताधारी भाजपा में विधानसभा चुनाव हार चुके कई नेता राज्यसभा के जरिए सक्रिय राजनीति में लौटने की कोशिश में हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस बार संगठन से जुड़े किसी स्थानीय चेहरे को मौका दिया जा सकता है। राज्य की पांच राज्यसभा सीटों में फिलहाल चार कांग्रेस और एक भाजपा के पास है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 68 सीटें मिलने के बाद समीकरण बदले थे।

मवेशी तस्करी कर रहे दो तस्कर पकड़ाये......

रायपुर। जिले की बोड़ला थाना पुलिस ने मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए दो अरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 भैंस मुक्त करवाया गया है। वहीं मामले में एक आरोपी फ रार है जिसकी पतासाजी की जा रही है। बता दें कि जिले के पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोड़ला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में यह कार्यवाही की गई। जानकारी के अनुसार दिनांक 20.02.2026 की रात्रि लगभग 12.30 बजे थाना बोड़ला पुलिस को सूचना मिली कि तहसील कार्यालय बोड़ला की ओर से एक बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 28 एन 1768 में मवेशियों को क्रूरतापूर्वक भरकर चोरी-छिपे ले जाया जा रहा है। सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जबकि अन्य आरोपी मौके पर उपस्थित मिले। आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम चन्द्रशेखर गोयल पिता ओमप्रकाश गोयल निवासी अमलडीहा थाना पण्डरिया जिला कबीरधाम छग तथा लक्की उर्फसंदीप टंडन पिता सुखहरण निवासी डेरहाकांपा थाना लालपुर जिला मुंगेली छग बताया।

खाद्य मंत्री बघेल ने उपभोक्ता संरक्षण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

उपभोक्ता न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में छग सरकार

- ई-जागृति, ई-फाइलिंग और ई-हियरिंग जैसी डिजिटल सुविधाओं के प्रभावी उपयोग पर जोर
- निष्पादन आवेदन के त्वरित और प्रभावी निपटारे के लिए व्यावहारिक कठिनाइयों और प्रणालीगत विलंब संबंधी जानकारी दी गई

रायपुर/ संवाददाता

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल ने उपभोक्ता संरक्षण विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री ए.पी. साही, छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता प्रतितोषण आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री गौतम चौरड़िया, खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, मध्यप्रदेश, गोवा, बिहार, झारखंड उत्तरप्रदेश सहित आठ राज्यों के प्रतिनिधि एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री ए.पी. साही ने कार्यशाला में छत्तीसगढ़ सरकार की पहल की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तकनीकी एवं विधिक सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में जागरूकता एवं तकनीकी पहलुओं की प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में तकनीकी, डिजिटल व्यवस्था, प्रक्रियात्मक सुधार और विधायी संशोधनों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान दौरान ई-प्रणालियों का विस्तार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग की जानकारी दी गई। वहीं ई-जागृति, ई-फाइलिंग और ई-हियरिंग" जैसी डिजिटल सुविधाओं के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को घर बैठे शिकायत दर्ज करने और सुनवाई में भाग लेने की सुविधा मिल रही है।

उपभोक्ता न्याय को किफायती, पारदर्शी और त्वरित बनाने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान शिकायत स्वीकृति की प्रक्रिया, उपभोक्ता आयोग के आर्थिक एवं क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार, शिकायत और जवाब दावा प्रस्तुत करने की समय-सीमा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को स्पष्ट किया। इस दौरान यह भी बताया गया कि यदि प्रतिवादी पक्ष 30 दिनों की निर्धारित अवधि या अधिकतम 15 दिनों की अतिरिक्त अवधि (कुल 45 दिन) में लिखित बयान प्रस्तुत नहीं करता है, तो उसके साक्ष्यों पर विचार सीमित हो सकता है। साथ ही प्रतिवादी को शिकायतकर्ता के गवाहों से जिरह का अवसर और उसकी सीमा पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों एवं न्यायमूर्तियों ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बढ़ती चुनौतियों, डार्क पैटर्न जैसी भ्रामक डिजाइन तकनीकों और झूठे व भ्रामक विज्ञापनों के मुद्दों पर चर्चा की। क्षेत्राधिकार संबंधी विवादों और तकनीकी जटिलताओं के त्वरित समाधान हेतु वर्तमान संरचना में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया। निष्पादन आवेदन के त्वरित और प्रभावी निपटारे के लिए व्यावहारिक कठिनाइयों और प्रणालीगत विलंब संबंधी जानकारी दी गई। सभी उपभोक्ता आयोगों में प्रक्रियात्मक एकरूपता लाने, मानकीकृत नियम एवं दिशानिर्देश अपनाने तथा केस मैनेजमेंट को सुव्यवस्थित करने पर भी जोर दिया गया। उपभोक्ता संरक्षण आयोग के अधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल उपभोक्ताओं को त्वरित, पारदर्शी और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संपादकीय

दुनिया में अब एआई अगला दशक तय करेगा भविष्य, अवसर भी, चेतावनी भी

हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। शिक्षा जगत से लेकर रक्षा और कारोबार के विभिन्न क्षेत्र में नए स्तर पर इसका प्रयोग हो रहा है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है। इसे समय के साथ कदम मिला कर चलने और विकास के परिप्रेक्ष्य में जरूरी माना जा रहा है तथा सभी देश एआइ के सकारात्मक उपयोग को लेकर सक्रिय दिख रहे हैं। भारत की इसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में सोमवार से पांच दिनों का एआइ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष से लेकर एआइ कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य एआइ के व्यापक तंत्र पर चर्चा के साथ-साथ आम लोगों की जिंदगी पर इसके सीधे असर और फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना है। दरअसल, तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई। हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। दूसरी ओर, एआइ के फैलते पांव के समांतर रोजगार पर इसके व्यापक प्रभाव और खतरों को लेकर आशंकाएं भी जताई गई हैं। दिल्ली के सम्मेलन में एक उद्देश्य एआइ से रोजगार, आम लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर और उसके खतरों को कम करने के लिए ठोस उपायों तथा प्रयासों पर भी चर्चा करना है। यह जगजाहिर है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दायरा कितने बड़े क्षेत्र में फैल चुका है। हाथ में मौजूद स्मार्टफोन अब केवल तस्वीरें संपादित करके सोशल मीडिया के मंचों पर सुर्खियां हासिल करने का जरिया भर नहीं है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले यूरिया उर्वरक को लेकर केंद्र सरकार के हालिया निर्णय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आदेश के तहत यूरिया की बोरी का वजन 50 किलो से घटा कर 40 किलोग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही यूरिया में नाइट्रोजन की मात्रा भी 46 से घटा कर 36 फीसद कर दी गई है। सरकार इसे सुधारात्मक कदम के रूप में पेश कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इस निर्णय ने किसानों की लागत बढ़ा दी है और कृषि उत्पादन तथा देश की खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। यूरिया खेती में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला नाइट्रोजन उर्वरक है। गेहूं, धान और मक्का जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलों की उपज काफी हद तक नाइट्रोजन की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यह पौधों की बढ़वार, पत्तियों के विकास और दाने भरने की प्रक्रिया के लिए अनिवार्य तत्त्व है।

यूरिया नीति में बदलाव, बढ़ती लागत, घटती पैदावार और खाद्य सुरक्षा पर संकट, क्या फैसला देश की परीक्षा है

(देवेंद्रराज सुथार)

ऐसे में यूरिया के स्वरूप में किया गया कोई भी बदलाव सीधे तौर पर फसलों की पैदावार, किसानों की आय और अंततः उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। सरकार के नए फैसले के बाद यूरिया की एक बोरी में उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा में भारी गिरावट आई है। पहले 50 किलो की बोरी में 46 फीसद नाइट्रोजन के हिसाब से लगभग 23 किलो नाइट्रोजन उपलब्ध होती थी। अब 40 किलो की बोरी में 36 फीसद नाइट्रोजन के साथ यह मात्रा घट कर केवल 14.4 किलो रह गई है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि किसान को उतनी ही नाइट्रोजन प्राप्त करने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक यूरिया खरीदना पड़ेगा। अगर मौजूदा 270 रुपए प्रति बोरी की कीमत को आधार बनाया जाए, तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। पहले जहां किसानों को प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन की जरूरत पूरी करने के लिए लगभग साढ़े सत्रह सौ रुपए खर्च करने पड़ते थे, अब वही जरूरत पूरी करने के लिए 2835 रुपए खर्च करने होंगे। यानी बिना दाम बढ़ाए ही किसानों पर करीब 37 फीसद अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है। यह बोझ खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद मुश्किल भरा साबित हो सकता है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। यहां दलहन, तिलहन और बागवानी जैसी फसलें उगाई जाती हैं। इन फसलों में यूरिया की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और कई मामलों में एक टन प्रति हेक्टेयर से भी कम रहती है।

लेकिन शेष लगभग पचास लाख हेक्टेयर सिंचित भूमि पर गेहूं और धान जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलें ली जाती हैं, जिनके लिए नाइट्रोजन की भारी मात्रा की आवश्यकता होती है। मौजूदा कृषि सिफारिशों के अनुसार गेहूं और धान जैसी फसलों के लिए प्रति हेक्टेयर सालाना लगभग तीन सौ किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है।

जबकि 46 फीसद नाइट्रोजन वाले यूरिया के हिसाब से यह आवश्यकता लगभग 620 किलो यूरिया से पूरी हो जाती थी। इसी आधार पर देश के सिंचित क्षेत्रों के लिए सालाना करीब तीन करोड़ बीस लाख मीट्रिक टन यूरिया की जरूरत आंकी जाती है।

जब कुल खपत चार करोड़ मीट्रिक टन से अधिक है, तो सवाल उठता है कि बाकी यूरिया कहां जा रहा है? इस सवाल का जवाब देश में लंबे समय से चले आ रहे यूरिया के दुरुपयोग में छिपा है।

यह किसी से छिपा नहीं है कि सबसिडी वाले यूरिया का एक बड़ा हिस्सा कृषि के बजाय औद्योगिक उपयोग में चला जाता है। अनुमान है कि कुल सबसिडी वाले यूरिया का लगभग एक-तिहाई, यानी एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक फैक्टरियों में खप जाता है।

केंद्रीय बजट 2022-23 में यूरिया में सबसिडी के लिए एक लाख 32 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। यह राशि निश्चित रूप से सरकारी खजाने पर भारी बोझ डालती है। मगर सवाल यह है कि इस बोझ को कम करने की कीमत किसान क्यों चुकाए।

यदि आपूर्ति शृंखला की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती, तो सबसिडी का बड़ा हिस्सा बचाया जा सकता था। इसके बजाय सरकार ने ऐसा कदम उठाया है, जिससे ईमानदार किसान ही सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

इस नीति का एक और गंभीर पहलू है यूरिया की उपलब्धता और आपूर्ति संकट। पहले ही देश के कई हिस्सों में किसान बुआई के समय घंटों लंबी कतारों में लग कर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं। कई बार समय पर पूरी मात्रा नहीं मिल पाती। इससे खाद डालने का सही समय निकल जाता है।

अब जब प्रति हेक्टेयर जरूरत पूरी करने के लिए अधिक बोरियां खरीदनी पड़ेंगी, तो यह संकट और गहराने की आशंका है। इसका सीधा असर फसलों के विकास और अंततः पैदावार पर पड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार गेहूं, धान और मक्का जैसी फसलों की पूरी पैदावार के लिए प्रति हेक्टेयर 120 से 150 किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है। पहले किसानों को यह मात्रा प्राप्त करने के लिए 50 किलो वाले यूरिया की लगभग सात बोरियां डालनी पड़ती थी।

अब वही मात्रा पाने के लिए उसे दस से ग्यारह बोरी यूरिया की जरूरत होगी। इससे न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी के संतुलन और पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

यह संकट केवल किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से भी है। पिछले तीन वर्षों में गेहूं के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद सरकारी खरीद अपने लक्ष्य से काफी पीछे रही है।

यह स्थिति तब है, जब सरकार पैदावार के बड़े-बड़े दावे करती रही है। इस विरोधाभास से संकेत मिलता है कि देश में गेहूं का वास्तविक उत्पादन और घरेलू खपत लगभग बराबर स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में यदि यूरिया की कमी या महंगाई के कारण पैदावार में गिरावट आती है, तो देश को अनाज आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है।

खाद्य सुरक्षा किसी भी देश की संप्रभुता और सामाजिक स्थिरता का आधार होती है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में अनाज उत्पादन में थोड़ी-सी भी कमी व्यापक प्रभाव डाल सकती है। महंगाई, सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर दबाव और ग्रामीण असंतोष इसके संभावित परिणाम हो सकते हैं।

इसलिए यूरिया जैसी बुनियादी कृषि सामग्री को लेकर तय की गई किसी भी नीति का मूल्यांकन केवल बजट संतुलन के नजरिए से नहीं किया जाना चाहिए। समाधान के रास्ते मौजूद हैं, बशर्ते नीति-निर्माण में इच्छाशक्ति और व्यावहारिक दृष्टिकोण हो। सबसे पहले यूरिया के औद्योगिक दुरुपयोग पर सख्ती से रोक लगानी होगी। किसानों के लिए उपलब्ध यूरिया की गुणवत्ता और मात्रा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

नीतियां जमीनी वास्तविकताओं और वैज्ञानिक सिफारिशों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि केवल कागजी आंकड़ों पर। यह समझना होगा कि किसान, कृषि और खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

इनमें से किसी एक को कमजोर कर बाकी दो को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और खाद्य सुरक्षा का आधार भी है। ऐसे में कोई भी प्रयोग दूरगामी परिणाम लेकर आता है। यदि किसान लागत बढ़ने या उपलब्धता की कमी के कारण आवश्यक मात्रा में यूरिया नहीं डाल पाता, तो उपज में गिरावट तय है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

दान का सुख, बेईमानी की बेड़ियां और जीवन का सच, स्वर्ग-नरक यहीं बसते हैं

(गिरीश पंकज)

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। ईश्वर को किसी ने नहीं देखा। पुनर्जन्म होता या नहीं, इसके बारे में भी कहा नहीं जा सकता, लेकिन एक डर लोगों के मन में बैठा रहता है। हमेशा बैठाया भी जाता है कि अच्छे काम करोगे, तो अगले जन्म में मनुष्य बनकर पैदा होगे और बुरे काम करोगे तो तरह-तरह के पशुओं में तुम्हारा जन्म होता रहेगा। चौरासी लाख योनियों में भटकने की बात धर्मग्रंथ करते हैं। व्यक्ति के मन में भय इसलिए पैदा किया जाता है कि वह नैतिक दृष्टि से ठीक-ठाक रहे। उसके अंदर मानवता, करुणा, सच्चाई, ईमानदारी जिंदा रहे। जिस समाज में ऐसे सज्जनों की बहुलता रहती है, वह समाज खुशहाल रहता है। इसलिए सदियों से हमारे धर्मग्रंथों और ऋषि-मुनियों ने मनुष्यों में सदाचरण पर जोर दिया और उस सदाचरण को बरकरार रखने के लिए उन्होंने स्वर्ग-नरक की कथाएं भी रचीं।

सच्चाई यह है कि इस स्वर्ग-नरक को किसी ने देखा नहीं है, लेकिन धर्मभीरू समाज के मन में यह बात बिठा दी गई है कि ईश्वर हमें देख रहा है। हमारे हर गलत सही काम पर उसकी नजर है। इस भय से ही आम इंसान जीवन में गलत काम करने से बचता है। यह सिर्फ एक कल्पना है और एक तरह से मनुष्य को सन्मार्ग दिखाने, उस पर चलाने की एक उत्तम प्रविधि है। जैसे आजकल बहुत सारे अपराध सिर्फ इसलिए नहीं होते कि जगह-जगह खुफिया कैमरे लगे होते हैं और किसी दीवार पर एक पंक्ति लिखी होती है कि 'आप कैमरे की निगाह में हैं।' पहले लोगों से कहा जाता था कि आप ईश्वर की निगाह में हैं। उस चेतावनी को बहुत कम लोग मानते थे, लेकिन इस भौतिक चेतावनी को लोग गंभीरता से मानते हैं और गलत काम करने से बचते भी हैं। ज्यादा दुस्साहसी अपराधी पहले खुफिया कैमरे को तोड़ भी देते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। और बुरे काम करके उसका कुपरिणाम भोगना नरक है। यह सभी महसूस भी करते हैं। अपने सामने ऐसा घटित होते देखते भी हैं। न जाने कितने अरबपति व्यापारी, भ्रष्ट नेता या घोटालेबाज अफसर बेईमानी की कमाई करने के बाद एक दिन जब गिरफ्तार होकर जेल भेज दिए जाते हैं, तो लोग यही कहते हैं कि देखो, उन्हें अपने किए का फल मिल गया। कल तक वे स्वर्ग भोग रहा थे, आज नरक भोग रहे हैं।

दूसरी तरफ स्वर्ग वे भोग रहे होते हैं, जो संतोषी हैं और सुखी हैं। लोग जब दान-पुण्य करते हैं, तो उनके अंतर्मन में एक सुखानुभूति होती है। यह सुखद अनुभूति किसी स्वर्ग से कम नहीं है। उदार मन का धनी व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा दान करता है, तो उसकी ख्याति बढ़ती जाती है। तब उसके मन को जो परमानंद मिलता है, दरअसल वही स्वर्ग है।

जो व्यक्ति जितना सुखी है या पूरी तरह से स्वस्थ है, तो वह जीवन में एक तरह से वास्तविक स्वर्ग का जीवन जी रहा है। अगर उसके जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, षड्यंत्र आदि दुर्गुण भरे हुए हैं, तो उसका जीवन अपने आप में नरक है। वह कुंठित होकर अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वह अपने नारकीय जीवन को पहचान नहीं पाता। वह अपनी धूर्त मानसिकता और हल्केपन को अपनी चालाकी समझता है और हर घड़ी दूसरे के अहित को अपनी उपलब्धि मानकर प्रसन्न रहता है।

जिस दिन ऐसे लोग आत्म-मंथन करते हुए यह विचार करने लगेंगे कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई', तो वे अपना रास्ता बदल सकते हैं। वे अपने हृदय को निर्मल कर लें, उदार कर लें और यह सोचने लगें कि सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, सभी का कल्याण हो, तो फिर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आ जाएगा। धर्म-कर्म के पथ पर चलने वाले सच्चे लोग इसीलिए भीड़ में भी अलग दिखाई देते हैं।

धर्म-कर्म पर चलने का अर्थ यह नहीं कि लोग कट्टर हो जाएं और अपने-अपने धर्म के लिए आपस में भिड़ जाएं। अनेक लोग जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के कार्य को ही समझते हैं। यही सच्ची धार्मिकता है। सोशल मीडिया के दौर में हम सब अनेक ऐसे वीडियो देखते हैं, जिसमें कोई पुलिसवाला किसी गरीब की मदद कर रहा है, उसे खाना खिला रहा है, कोई अमीर व्यक्ति फटेहाल बच्चों को अच्छे कपड़े पहना रहा है, कोई किसी की झोंपड़ी को पक्का करवा रहा है।

क्या एआई के क्षेत्र में दुनिया को पछाड़ पाएगा भारत?

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहे वैश्विक एआई सम्मेलन में दो दिन से चल रहे विचार मंथन से एक बात उभर कर आई है कि एआई के समक्ष खड़ी चुनौतियों के हल के लिए दुनिया भारत की ओर निहार रही है।

(नीरज कुमार दुबे)

देखना होगा कि सम्मेलन के अंत में दिल्ली डिक्लेरेशन से क्या निकल कर आता है। लेकिन यहां एक ओर बात की आवश्यकता महसूस हुई कि भारत को यदि इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल करना है तो बड़े निवेश और सरल तथा प्रभावी नीतियों की भी जरूरत है। देखा जाए तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल नई तकनीक का आकर्षण नहीं रही, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, उद्योग, ऊर्जा, नीति और वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुकी है। दुनिया के बड़े देश इसे रणनीतिक साधन की तरह देख रहे हैं। डाटा, कंप्यूटिंग शक्ति और उन्नत चिप आज के दौर का नया तेल बन चुके हैं। ऐसे समय में भारत के सामने मूल प्रश्न यह है कि वह एआई की दौड़ में केवल उपभोक्ता बन कर रहेगा या निर्माता और नेता की भूमिका निभाएगा।

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। एआई न केवल सेवाओं को, बल्कि कारखानों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, दवा उद्योग, परिवहन और ऊर्जा व्यवस्था तक को बदल सकती है।

यह समझना जरूरी है कि एआई एक ही तरह की चीज नहीं है। उपभोक्ता एआई, जैसे चैट टूल या मनोरंजन आधारित अनुप्रयोग, तेजी से लोकप्रिय होते हैं, पर इन पर अक्सर कुछ ही बड़ी कंपनियों का दबदबा हो जाता है। इसके विपरीत औद्योगिक एआई हर क्षेत्र के लिए अलग समाधान मांगती है। हर उद्योग का अपना डाटा, अपनी समस्या और अपना कामकाज होता है। इसलिए क्षेत्र विशेष मॉडल बनते हैं। यही भारत की ताकत बन सकती है, क्योंकि यहां उद्योगों की विविधता और पैमाना दोनों मौजूद हैं।

उदाहरण के लिए दो पहिया वाहन उद्योग को लें। भारत दुनिया के सबसे बड़े दो पहिया बाजारों में है। यह क्षेत्र रोजगार, शहरीकरण और आय वृद्धि से जुड़ा है। अब इलेक्ट्रिक दो पहिया का चलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में एआई आधारित मांग अनुमान, डिजाइन सुधार, गुणवत्ता जांच और आपूर्ति प्रबंधन से भारी लाभ हो सकता है। मशीन लर्निंग सिस्टम खराबी का पहले ही संकेत दे सकते हैं। इससे ठहराव घटता है, लागत कम होती है और उत्पादन तेज होता है।

दवा उद्योग में भी अवसर विशाल हैं। भारत जेनेरिक दवाओं का बड़ा उत्पादक है, पर गुणवत्ता बनाए रखना चुनौती रहता है। एआई आधारित विजन सिस्टम उत्पादन के दौरान सूक्ष्म दोष पकड़ सकते हैं। डाटा विश्लेषण से प्रक्रिया स्थिर रखी जा सकती है। रोबोटिक ऑटोमेशन दोहराव वाले काम सुरक्षित और सटीक तरीके से कर सकता है। इससे भारत की विश्वसनीयता बढ़ेगी और ऊंचे मूल्य वाले बाजार खुलेंगे।

लेकिन एआई की ताकत केवल सॉफ्टवेयर से नहीं आती, इसके लिए भारी कंप्यूटिंग शक्ति चाहिए, जो उन्नत चिप यानी जीपीयू से मिलती है। ये चिप बहुत महंगी होती हैं। एक उन्नत जीपीयू की कीमत लाखों रुपये तक जा सकती है। भारत ने हजारों जीपीयू लगाए हैं और डाटा केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष डाटा केंद्रों ने बिजली ग्रिड से भारी मात्रा में बिजली ली, जो किसी बड़े शहर की मांग के बराबर बैठती है। आने वाले वर्षों में यह मांग कई गुना बढ़ सकती है। यह भारत की बढ़ती डिजिटल क्षमता का संकेत है, पर साथ ही ऊर्जा चुनौती का भी। अगर भारत को एआई में अग्रणी बनना है तो केवल कुछ हजार जीपीयू काफी नहीं होंगे। अमेरिका आज भी इस क्षेत्र में आगे है। उसके पास विशाल डाटा केंद्र क्षमता है और वह उन्नत जीपीयू की आपूर्ति पर नियंत्रण रखता है। इसी कारण वह तकनीकी बढ़त बनाए हुए है। चीन को रोकने की रणनीति में भी चिप आपूर्ति अहम रही है। चीन ने भी इस दौड़ को बहुत पहले समझ लिया था। उसने चिप निर्माण में भारी निवेश किया। उसकी बड़ी तकनीकी कंपनियां अपने एआई चिप बना रही हैं। भले वे अभी सबसे उन्नत स्तर पर न हों, पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका में भी बड़ी तकनीकी कंपनियां खुद चिप डिजाइन में उतर चुकी हैं। ऐसे माहौल में यदि भारत केवल पुराने स्तर की चिप बनाता रह गया तो वह पीछे छूट सकता है। तो क्या समाधान है? क्या हमें अपनी आकांक्षा घटा लेनी चाहिए? कुछ लोग कहते हैं कि भारत की प्रति व्यक्ति बिजली खपत अभी विकसित देशों से कम है। जैसे जैसे लोग समृद्ध होंगे, उन्हें घरों में अधिक बिजली चाहिए होगी। अगर एआई के कारण बिजली महंगी हुई तो जीवन स्तर प्रभावित हो सकता है। यह चिंता सही है, पर इसका मतलब यह नहीं कि हम पीछे हट जाएं। दरअसल जरूरत बड़े सोच की है। भारत को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना होगा।

पहला, घरेलू चिप निर्माण और डिजाइन को बढ़ावा देना। इसके लिए नीति समर्थन, निवेश और कौशल विकास जरूरी है। दूसरा, ऊर्जा ढांचा मजबूत करना। नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, बेहतर ग्रिड और भंडारण तकनीक पर जोर देना होगा ताकि डाटा केंद्रों की मांग पूरी हो सके। इसके साथ ही एआई का लाभ केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे। मध्यम और छोटे उद्योगों तक भी पहुंचे। इसके लिए साझा प्लेटफॉर्म, क्लाउड ढांचा और क्षेत्र विशेष समाधान जरूरी हैं। सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों को मिल कर काम करना होगा। शोध संस्थान मॉडल विकसित करें, उद्योग वास्तविक समस्याएं और डाटा दें, और सरकार नियम, प्रोत्साहन तथा अवसंरचना दे। भारत को ऐसे नेतृत्व की भी जरूरत है जो अलग अलग पक्षों को जोड़ सके और भरोसा बना सके। एआई को नौकरी छीनने वाली नहीं, बल्कि नई क्षमता देने वाली तकनीक के रूप में समझाना होगा। कौशल प्रशिक्षण, पुनः प्रशिक्षण और शिक्षा सुधार पर जोर देना होगा। बहरहाल, अब सवाल यह है कि एआई की दिशा कौन तय करेगा? अगर भारत ने समय रहते साहसिक फैसले लिए, चिप निर्माण, ऊर्जा ढांचा और औद्योगिक एआई पर जोर दिया, तो वह केवल तकनीक का बाजार नहीं रहेगा, बल्कि दिशा देने वाला देश बन सकता है। आईटी क्रांति ने भारत को विश्व मंच पर जगह दी थी। एआई और उन्नत कंप्यूटिंग भारत को आर्थिक शक्ति और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए दौर में पहुंचा सकती है। अवसर हमारे सामने है। अब निर्णय और क्रियान्वयन हमारी जिम्मेदारी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लगी जन चौपाल में शामिल हुये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव

नगरनार शक्ति केन्द्र के उपनपाल एवं मारकेल में जन चौपाल आयोजित, ग्रामीणों से रूबरू मिले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव

केन्द्रीय बजट विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने अहम कदम, वीबी जी राम जी योजना में सुनिश्चित रोजगार की गारण्टी - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण सिंह देव

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहे जन चौपाल कार्यक्रम में आज शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में शामिल हुये और ग्रामीण क्षेत्र के उपनपाल एवं मारकेल शक्ति केन्द्र में लगाये गये जन चौपाल को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने संबोधित किया। श्री किरण देव ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य हमारे भारत को शक्तिशाली, समृद्धशाली, आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश भारत तेजी से प्रगति कर रहा है। हमारा संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाना है। केन्द्रीय बजट विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का अहम कदम है। ऐसे ही विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने महती योजना है। पंचायत स्तर पर क्षेत्र का विकास करना हमारी सरकार की मंशा है। ग्रामीण क्षेत्रों को सुदृढ़ व विकसित करने का दायित्व है जिसपर हम लगातार कार्य कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा किप्रदेश की भाजपा सरकार ने मात्र दो वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा कर दिया है। 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी। आज हर पंचायत में औसतन 300 मकान बन रहे हैं और 10 लाख से ज्यादा परिवारों का गृह प्रवेश हो चुका है। छत्तीसगढ़ में 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। होली के पहले 25.24 लाख किसानों के खातों में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की अंतर राशि जमा की जाएगी। इसी प्रकार महिला सशक्तीकरण के दृष्टिगत 'महतारी वंदन योजना' के तहत 70 लाख से अधिक माताओं को प्रति माह 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपए पारिश्रमिक, भूमिहीन कृषकों को 10 हजार रुपए सालाना दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा दर्शन की शुरुआत की गई है। श्री देव ने कहा कि जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में समानता के साथ विकास के कार्य प्राथमिकता से पूरे हो रहे हैं। क्षेत्र का पूर्ण विकास व जनता की समस्याओं का अविलम्ब निदान सर्वोच्च प्राथमिकता में है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले हमारा दायित्व है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने जन चौपाल में भारी संख्या में शामिल लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्यायें भी जानी और उसके त्वरित निदान के निर्देश मौके पर दिया । वहीं जनपद पंचायत अध्यक्ष पदलाम नाग ने भी अपनी बातों को रखा। जन चौपाल कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बिंदू साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष पदलाम नाग उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम कश्यप,नगरनार मंडल अध्यक्ष महेन्द्र सेठिया ,महामंत्री राजेश शर्मा, मनोज पटेल, सीमांचल दास,अर्जुन सेठिया, दशमी, दीनबंधु सेठिया,विधाधर सेठिया, नीलकंठ, बलराम सैठिया, श्रीमती देवकी सेठिया, हेमवती,वासु गोयल, गंगाराम पुजारी,देवनाथ, गोविंद, रूपेश समरथ, गणेश नागवंशी,राधे पन्द्रै,रमेश पटेल, गणेश गोयल,हरी साहू,आदि सहित कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

दिव्यांग हितग्राहियों को प्रदान किए गए मोटराइज्ड ट्रायसायकल

कोण्डागांव। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत जिले में जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत छिंदली (बड़ेराजपुर) के दशरथ मरकाम पिताङ्क होलाराम मरकाम एवं फरस पिता जेतराम, ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा को मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्रदान किया गया। यह ट्रायसायकल उप संचालक, समाज कल्याण विभाग कोण्डागांव के माध्यम से प्रदान की गई।उक्त दोनों हितग्राही जन्म से दिव्यांग हैं, जिसके कारण उन्हें आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मोटराइज्ड ट्रायसायकल मिलने से अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों एवं आवश्यक गतिविधियों के लिए आने-जाने में सुविधा होगी। इससे न केवल उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, बल्कि वे सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जरूरतमंदों तक शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है। समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न सहायता उपकरण एवं योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।हितग्राहियों ने ट्रायसायकल प्रदान करने के लिए शासन-प्रशासन को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा और वे अधिक सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकेंगे।

नवीन तेंदूपत्ता नीति पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित, बूटा कटाई, संग्रहण और अग्नि सुरक्षा पर साफनिर्देश

बीजापुर। तेंदूपत्ता सीजन 2026 की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बांसागार डिपो में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस बार विभाग की कोशिश है कि काम समय पर, व्यवस्थित और पूरी सावधानी के साथ हो।कार्यशाला में डीएफओ एवं प्रबंध संचालक आरके जांगड़े, जिला यूनियन के अध्यक्ष और संचालक मंडल के सदस्य, उपवनमण्डलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी, इंद्रावती टाइगर रिजर्व और वनमण्डल के अधिकारी-कर्मचारी, प्रबंधक और फड़मुंशी शामिल हुए।

पहले पूरी तैयारी, फिर बूटा कटाई -आरके जांगड़े ने कहा कि शाखकर्तन (बूटा कटाई) शुरू करने से पहले जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। फड़ का सही चयन, जीपीएस नंबर दर्ज करना, स्थल की सफाई और रूट प्लान पहले से तैयार रहे। स्थानीय पंच या सरपंच के मोबाइल नंबर और वाहन मालिकों की जानकारी रिकॉर्ड में रखने पर भी जोर दिया गया, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत समन्वय हो सके।

उन्होंने बोराभर्ती गैंग को प्रशिक्षण देने और वैज्ञानिक तरीके से बूटा कटाई करने की बात कही। कटे हुए बुटों को बेतरतीब छोड़ने के बजाय थोड़ी दूरी पर व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए, जिससे आग फैलने का खतरा कम हो।

अनुभव साझा, समस्याओं पर चर्चा -जिला यूनियन के अध्यक्ष सीताराम मांझी और संचालक मंडल के सदस्यों ने संग्रहण के दौरान आने वाली दिक्कतों पर अपने अनुभव साझा किए। सुझाव दिए गए कि जमीनी स्तर पर समन्वय मजबूत रहे तो कई समस्याएं पहले ही सुलझाई जा सकती हैं।एसडीओ आवापल्ली प्रकाश कुमार नेताम ने पिछले वर्ष के संग्रहण कार्य में आई चुनौतियों का जिक्र किया और सुधार के बिंदु बताए। एसडीओ भोपालपटनम नीतिश रावटे ने शाखकर्तन से लेकर स्थायी गोदाम में भंडारण तक की प्रक्रिया विस्तार से समझाई।

अग्नि सुरक्षा पर विशेष जोर -एसडीओ बीजापुर देवेन्द्र गौड़ ने कहा कि तेंदूपत्ता सीजन में आग का खतरा बना रहता है, इसलिए सतर्कता सबसे जरूरी है। छोटी सी लापरवाही भी बड़े नुकसान में बदल सकती है। कार्यशाला के अंत में अधिकारियों और फड़मुंशियों ने मिलकर यह तय किया कि इस बार बेहतर तालमेल के साथ काम किया जाएगा, ताकि तेंदूपत्ता सीजन सुरक्षित और सफल रहे।

आईजीओटी-कर्मयोगी' पर आधारित सम्भाग स्तरीय कार्यशाला आयोजित बस्तर संभागायुक्त डोमन सिंह वर्चुअल कार्यशाला में हुए शामिल

कांकेर। भारत सरकार की वेबसाइट में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पंजीयन किया जाएगा। इसके लिए इंटिग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग (आई गॉट- कर्मयोगी) पर आधारित ऑनलाइन कार्यशाला का संभाग स्तरीय आयोजन आज सुबह 11 बजे किया गया। जिले के स्वान कक्ष में उपस्थित बस्तर संभाग के सम्भागायुक्त डोमन सिंह के निर्देशानुसार सम्भाग के सभी सातों जिलों के अधिकारियों ने वर्चुअल वर्कशॉप में हिस्सा लिया। इस दौरान कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर भी उपस्थित थे। वर्चुअल वर्कशॉप में मास्टर ट्रेनर अंजू सिंह ने पीपीटी का स्क्रीन शेयर करते हुए उक्त वेबसाइट की तकनीकी पहलुओं की क्रमवार जानकारी दी तथा पंजीयन करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया। इस अवसर पर जिला पंचायत के सी.ई.ओ. हरेश मण्डावी तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कांकेर अरूण वर्मा भी स्वान कक्ष में मौजूद थे।

थाना कोरर में 20 वर्ष पुराने विसरा एवं 500 लीटर से अधिक शराब का विधिवत नष्टीकरण

कांकेर। जिला उत्तर बस्तर कांकेर कोरर 20 फरवरी पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के मार्गदर्शन में थाना कोरर में लंबे समय से जप्त विभिन्न प्रकरणों के विसरा एवं शराब का विधिवत नष्टीकरण किया गया। थाना कोरर में हत्या, आत्महत्या, सड़क दुर्घटना एवं अन्य हादसों से संबंधित मामलों में जांच के दौरान जप्त किए गए विसरा को न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात सुरक्षित रखा गया था। इनमें से 20 वर्ष से अधिक पुराने विसरा का नियमानुसार नष्टीकरण किया गया। इसी प्रकार विभिन्न अपराध प्रकरणों में जप्त देशी महुआ शराब एवं अंग्रेजी शराब सहित 500 लीटर से अधिक मदिरा का भी विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर नष्टीकरण किया गया। नष्टीकरण की कार्रवाई नायब तहसीलदार कोरर योगिता भेंडिया, थाना प्रभारी कोरर निरीक्षक जितेंद्र गुप्ता एवं आबकारी उप निरीक्षक की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्रवाई में निरीक्षक जितेंद्र गुप्ता, उप निरीक्षक छत्रपाल सिंह साहू, प्रधान आरक्षक योगेश मंडावी, तीरथ गंधर्व, गंभीर पाण्डे, आरक्षक मनोज साहू, लल्लीराम मंडावी, केतन ठाकुर सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने बताया कि लंबित जप्त सामग्री के नष्टीकरण से अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित हुआ है तथा थाना परिसर में सुरक्षित भंडारण व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है।

बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन 22 मार्च को,वन मंत्री केदार कश्यप ने चित्रकोट महोत्सव के दौरान किया बस्तर हेरिटेज मैराथन के लोगो का अनावरण

जगदलपुर। बस्तर में खेल एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन आगामी 22 मार्च को किया जाएगा। चित्रकोट महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप ने मैराथन के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने वीडियो के माध्यम से बताया कि आयोजन 22 मार्च को किया जाएगा, जिसमें 5 किमी , 10 किमी , 21 किमी और 42 किमी की दौड़ प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता चित्रकोट जलप्रपात से प्रारंभ होकर कुरुषपाल तक 21 किमी जाकर वापस चित्रकोट में समाप्त होगी।

पाँच किलोमीटर की दौड़ चित्रकोट से मारडूम चौक तक, दस किमी की दौड़ एसटीएफ कैम्प से वापस चित्रकोट तक होगी। वन मंत्री श्री कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन किया जा रहा है यह केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं में फिटनेस, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की पहल है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी का आह्वान किया।इस अवसर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप,चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल, पूर्व विधायक श्री लच्छूराम कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

बकावण्ड की ग्राम पंचायतों में लगी चौपाल, नोडल अधिकारियों ने मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण करने सहित ग्रामीणों से की चर्चा

जगदलपुर जिले के बकावण्ड विकासखंड में शुक्रवार को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रशासन ने एक व्यापक अभियान चलाया। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह के निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष निरीक्षण एवं जनसमस्या निवारण शिविर के तहत जिला प्रशासन के अधिकारी सुबह 10 बजे से ही अपनी-अपनी आबंटित पंचायतों में सक्रिय नजर आए। अधिकारियों के इस दल ने ग्राम पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं सहित आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और उचित मूल्य दुकानों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विशेष रूप से बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, पूरक पोषण आहार की उपलब्धता और हर घर नल-जल जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को लाभ मिल सके। ग्राम पंचायतों में निरीक्षण के बाद दोपहर में सभी पंचायत भवनों में आयोजित चौपाल के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ सीधे रूबरू होकर उनकी शिकायतों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। जहां ग्रामीणों ने सामाजिक सहायता, टीकाकरण, मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं से जुड़ी अपनी बातें अधिकारियों के समक्ष रखीं। गौरतलब है कि इस शिविर की सफलता के लिए एक सप्ताह पूर्व से ही गांवों में मुनादी करवाकर ग्रामीणों को सूचित किया गया था, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकें। वहीं इस पूरे अभियान की समीक्षा हेतु शाम साढ़े 4 बजे जनपद मुख्यालय बकावंड स्थित सद्भावना भवन में सहायक कलेक्टर विपिन दुबे द्वारा सभी अधिकारियों की बैठक में हरेक ग्राम पंचायतों की विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों की ली बैठक, विशेष गहन पुनरीक्षण के उपरांत मतदाता सूची प्रकाशित, राजनीतिक दलों को प्रदाय की गई प्रकाशित मतदाता सूची

सुकमा जिले में कुल 1,54,539 मतदाता पंजीकृत, 3076 की वृद्धि दर्ज

सुकमा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमित कुमार के निर्देशानुसार उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शबाब खान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, आम आदमी पार्टी तथा बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) कार्यक्रम के तहत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शबाब ख़ान ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार 27 अक्टूबर 2025 से जिले में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान प्रारंभ किया गया था। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर चार माह तक निरंतर एवं चरणबद्ध रूप से संचालित इस अभियान के पश्चात 21 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।

प्रमुख आंकड़े-ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के उपरांत 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की गई, जिनका निराकरण 14 फरवरी 2026 तक नियमानुसार किया गया। कुल पंजीकृत मतदाता (21 फरवरी 2026) 154539 पंजीकृत हैं जिसमें ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद 3076 वृद्धि हुई है। प्रारंभिक मतदाता संख्या (27 अक्टूबर 2025) -185060 थी। ड्राफ्ट प्रकाशन (23 दिसंबर 2025) - 151463 मतदाता थे।

घर-घर सत्यापन एवं डिजिटलीकरण-विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 249 बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं सत्यापन कार्य संपादित किया गया। कुल 185060 मतदाताओं का मिलान एवं मैपिंग कार्य पूर्ण किया गया तथा प्राप्त 151463 गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया गया। सर्वेक्षण के दौरान मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित एवं दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान कर आवश्यक संशोधन किए गए। जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए, उनकी पुष्टि हेतु बीएलओ एवं संबंधित राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की गई। संपूर्ण जानकारी जिला प्रशासन एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किए गए।

पारदर्शिता एवं सहयोग-विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नागरिकों से प्राप्त नवीनतम फोटोग्राफको भी अंतिम मतदाता सूची में अद्यतन किया गया है। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अंतिम मतदाता सूची की दो प्रतियां (एक फोटोयुक्त मुद्रित एवं एक फोटोरहित सॉफ्ट कॉपी) निःशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। इस अभियान को समयसीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु 01 निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ERO), 17 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (AERO), 249 बीएलओ एवं 498 बूथ लेवल एजेंट (BLA) सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही। मीडिया एवं नागरिक समाज का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

विधानसभा कोंटा अंतिम मतदाता सूची के आंकड़े-विधानसभा कोंटा(90) ड्राफ्ट मतदाता 151463, जुड़े 3952, विलोपन 876, वृद्धि 3076 अंतिम मतदाता 154539 हुए हैं।-

मतदाता नाम जांच एवं आवश्यक प्रपत्र-उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ख़ान ने बताया कि 01.01.2026 की पात्रता तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा भी प्रपत्र संख्या 6 भरकर भविष्य में प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। भविष्य में समय-समय पर होने वाले आवश्यक संशोधनों के अनुसार, नागरिक प्रपत्र संख्या 6. 7 और 8 भी भर सकेंगे।

SIR के दौरान आगामी अर्हता तिथि 01/10/2026 के संदर्भ में भावी मतदाताओं से आवेदन प्रपत्र 6 में प्राप्त किया गया है। सभी मतदाता अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम नीचे दिए गए माध्यमों से जाँच सकते हैं। https://ceochhattisgarh.nic., वोटर पोर्ट- https:/ /voters.eci.gov.in, ECINETAPP, बीएलओ (BLO) के माध्यम से अथवा जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय/ श्वत्रह्र/ ,श्वत्रह्र कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमित कुमार ने जिले के सभी नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, बीएलओ, बीएलए एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला है। यदि पात्र मतदाता का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरकर उसके साथ घोषणा पत्र और आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न कर ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रामदत्त गौरहा बने प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य- भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ में रामदत्त गौरहा को मिली नई जिम्मेदारी

बिलासपुर । भारतीय जनता पार्टी संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे वरिष्ठ कार्यकर्ता को प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। विगत तीन वर्षों से भाजपा के सदस्य के रूप में कार्य कर रहे और पूर्व में तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ बिल्हा के 23 वर्षों तक अध्यक्ष रह चुके पदाधिकारी को प्रदेश भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ की अनुशंसा पर रामदत्त गौरहा को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह नियुक्ति भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश समन्वयक कांतिलाल तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की अनुशंसा पर की गई है। संगठन ने उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव और कर्मचारी हितों के लिए किए गए कार्यों को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है।

27 फरवरी को होगी आम फलों की नीलामी

बिलासपुर। शासकीय उद्यान रोपणी सरकंडा, बिलासपुर में स्थित आम के मातृ वृक्षों में लगे फलों की नीलामी 27 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। उद्यान अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार नीलामी प्रक्रिया बंद लिफाफा पद्धति से संपन्न होगी। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति 27 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आम पौधों में लगे फलों का निरीक्षण कर सकते हैं। नीलामी शर्तों की विस्तृत जानकारी उद्यान अधीक्षक कार्यालय, सरकंडा से प्राप्त की जा सकती है।

चरित्र शंका को लेकर पत्नी की हत्या, आरोपी पति जेल दाखिल

कोरबा। कोरबा में घरेलू विवाद के चलते पति ने अपनी पत्नी, मां और बहन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल पत्नी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के सीतामणी वैष्णो दरबार बस्ती में हुई थी। आरोपी पति रामेश्वर साहू ने अपनी पत्नी सुकृता साहू पर कमरे के अंदर चापड़ से हमला किया। जब सुकृता की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां सांवन साहू और बहन निर्मला साहू उसे बचाने आईं, तो रामेश्वर ने उन पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचकर 112 और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और तीनों घायल महिलाओं को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जहां पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पति रामेश्वर साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। पत्नी की शिकायत पर रामेश्वर साहू एक साल पहले भी जेल जा चुका था। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि विवाद का कारण चरित्र शंका और पैसों की मांग थी।

भाजपा नेता युवती को लेकर हुआ फरार, कई युवतियों की जिंदगी बर्बाद करने का लगा आरोप

कोरबा। कोरबा जिले के कटघोरा का भाजपा नेता और भाजयुमो में पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य चिंटू अग्रवाल क्षेत्र की एक युवती को लेकर फरार हो गया है। पीड़ित परिवार ने अपनी पुत्री की गुमशुदगी की सूचना थाना में दर्ज करा दी है जिस पर गुम इंसान का मामला कायम कर पतासाजी किया जा रहा है। घटना 17 फरवरी की बताई जा रही है जिसमें 20 वर्षीय युवती सुबह 10 बजे बुटीक जाने के नाम पर घर से निकली और इसके बाद वापस नहीं लौटी। बाद में चर्चाओं से पता चला कि वह पड़ोस के करीब 40 वर्षीय चिंटू अग्रवाल के झांसे में आकर साथ चली गई है। परिजनों को अपनी बेटी की चिंता है। इधर दूसरी तरफ चिंटू अग्रवाल के द्वारा युवती के माध्यम से एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कराया जा रहा है जिसमें लखनपुर की गौशाला में शादी करना और साथ में रहने का हवाला दिया जा रहा है, जबकि पुलिस उनकी तलाश कर रही है। युवती के परिजनों को चिंटू अग्रवाल के पुराने करतूतों को लेकर अपनी बेटी की चिंता सता रही है क्योंकि चिंटू पर पहले भी दो दर्जन से अधिक युवतियों/किशोरियों की जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगता रहा है। अपने धन बल और रसूख के बल पर गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों का मुंह बंद कराता रहा इसलिए मामले सामने नहीं आए किन्तु कुछ मामलों में परिवार की इज्जत उछालने पर उसकी जमकर खबर ली गई और जेल भी जा चुका है

21वीं क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेड.आर.यू.सी.सी.) की बैठक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ

बिलासपुर । 21वीं क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की बैठक आज दिनांक 23 फरवरी' 2026 को महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, श्री तरुण प्रकाश की अध्यक्षता में सौहार्दपूर्ण एवं सहयोगात्मक वातावरण में संपन्न हुई । इस बैठक में दो सांसदो श्री विजय बघेल, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा), दुर्ग, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा), रायगढ़ सहित क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के 19 सदस्य उपस्थित थे । बैठक में सदस्यों के अतिरिक्त दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे । बैठक के प्रारम्भ में सदस्यों का स्वागत करते हुए उप महाप्रबंधक (सा.) एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (ज़ेडआरयूसीसी) के सचिव श्री समीर कांत माथुर ने इस बैठक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की समस्त उपलब्धियों में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से आप सभी सदस्यों के सुझाव एवं सहयोग समाहित है । बैठक में श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं अध्यक्ष दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (ज़ेडआरयूसीसी) ने अपने उद्बोधन में माननीय सदस्यों का इस बैठक में स्वागत करते हुए यात्री सुविधाओं के विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यो एवं जोन की उपलब्धिओं से माननीय सदस्यों को अवगत कराया । उन्होनें कहा कि यात्रियों की सुविधा और उनकी अपेक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे लगातार यात्री सुविधाओं के विकास कार्य कर रहा है । अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग का पूनर्विकास तथा 47 स्टेशनों का उन्नयन किया जा रहा है । उन्होने कहा कि यात्री सुविधाओं एवं सेवाओं में निरंतर विकास हम सब का उद्देश्य है । उन्होने सदस्यों के सकारात्मक सहयोग के लिए धन्यवाद दिया । इस बैठक में यात्री सुविधाओं से संबंधित तथा यात्री सुविधा विकास एवं परियोजनाओं से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया । माननीय सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझावों के रूप में यात्री सुविधाओं से संबन्धित मुद्दे जिसमें में प्रमुख रुप से ट्रेनों के ठहराव, देश के विभिन्न स्थानों के लिए नई सेवाएं, महत्वपूर्ण ट्रेनों के विस्तारीकरण सहित विभिन्न यात्री सुविधाएं आदि शामिल थे । इस बैठक का संचालन उप महाप्रबंधक (सा.) ने किया एवं उपस्थित सांसदों में श्री विजय बघेल, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा), दुर्ग, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा), रायगढ़ सदस्यों में श्री लोकेश साहू, प्रिंसिपल चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड ट्रेड एसोशिएशन, श्री मौनिल जैन, प्रिंसिपल चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड ट्रेड एसोशिएशन, श्री सेवक भाऊ कारेमोरे, रजिस्टर्ड पैसेंजर एसोशिएशन, श्री राजेन्द्र सोनी, रजिस्टर्ड पैसेंजर एसोशिएशन, श्री कुलवंत सिंह सलूजा, विकलांग कल्याण संगठन, श्री दीपक, माननीय केन्द्रीय मंत्री के प्रतिनिधि, श्री मधुसूदन रुंगटा, रेल मंत्रालय के विशेष हितों के प्रतिनिधि, श्री मुकेश तिवारी, रेल मंत्रालय के विशेष हितों के प्रतिनिधि, श्री भास्कर नारायण पराते, रेल मंत्रालय के विशेष हितों के प्रतिनिधि, श्री आर्यन ओहरी, रेल मंत्रालय के विशेष हितों के प्रतिनिधि, श्री सोभन गरनाईक, श्री जितेंद्र गुप्ता, श्री सत्येंद्र ठाकुर, श्री ब्रजभूषण शुक्ल, श्री बलराम मौर्य, श्री विकास अग्रवाल एवं श्री विकास नरोलिया के प्रतिनिधि शामिल थे । सभी ने सटीक व सकारात्मक सुझाव दिये । महाप्रबंधक ने उनके सकारात्मक सहयोग एवं सुझाव के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया । सेवाओं से संबन्धित परामर्श एवं सेवाओं की दक्षता में सुधार के लिए उप महाप्रबंधक (सा.) के द्वारा सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।

अदाणी फाउंडेशन ने ग्राम पंचायतों के 600 महिलाओं को किया सम्मानित....

कोरबा। जिले के बरपाली तहसील में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। अदाणी फाउंडेशन द्वारा कोरबा पॉवर लिमिटेड के पास के ग्राम पताड़ी में आयोजित सम्मान समारोह में आसपास की 14 ग्राम पंचायतों से लगभग 600 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पताड़ी, पहन्दा, खोड्डल, सरगबूंदिया, कुदूरमल, ढ़नढ़नी, कटबितला, देवरमल, इत्यादि ग्रामों की 100 मितनिनों तथा 500 स्व-सहायता समूहों की सदस्यों को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसका उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं को प्रोत्साहित करने और समाज में उनकी भूमिका को सम्मान देना है जो की भविष्य में भी आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के मंचस्थ अतिथियों में सुष्मिता अनंत- जिला पंचायत सदस्य, श्रीमति रीना सिदार - जनपद सदस्य सरगबूंदिया, कुमारी वंदना गुप्ता-जिला समन्वयक मितानीन मौजूद थीं। साथ ही श्रीमति संगीता कुंवर, सरपंच-पहंदा, श्रीमति निकीता सिंह, सरपंच खोड्डल, श्रीमति रिंकी कंवर-सरपंच बरीडीह, श्रीमति ललीता जगत दृ सरपंच उरगा, अचला कंवर दृ सरपंच कटबितला डॉ रजनी कटकवार स्वास्थ्य केंद्र, पताड़ी दीप्ति डिकसेना अंचल स्वास्थ्य अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आदबाई पूर्व सरपंच पताड़ी सहित कई ग्राम सरपंच व प्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। इसके अलावा कोरबा पॉवर लिमिटेड के डॉ. विकास ठाकुर, श्री अरुण प्रसाद सहित अदाणी फाउंडेशन के अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर की गई। कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए सुष्मिता अनंत ने कहा कि, आज महिलाएं देश की हर सेवा और क्षेत्र में उच्च पदों पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की राष्ट्रपति भी महिला हैं, जो देश की प्रगति में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है। आज समाज के विकास में महिलाओं के योगदान को गौरव का विषय है। अदाणी समूह द्वारा आयोजित यह सम्मान समारोह महिलाओं को आगे बढ़ने और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं ट्रेन से लेकर विमान तक संचालित कर रही हैं और समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। जनपद सदस्य रीना सिदार ने अपने संबोधन में कहा। जिला समन्वयक (मितानिन) श्रीमती वंदना गुप्ता ने बताया कि, मितानिनों ने कोरोना काल जैसे कठिन समय में मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दिलाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि प्रसूति सेवाओं सहित ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में मितानिनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है ।

महाप्रबंधक द्वारा दाधापारा,दगौरी के मध्य चौथी रेल लाइन का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

■ संरक्षा, परिचालन एवं स्टेशन विकास कार्यों की समीक्षा

बिलासपुर । महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत दाधापाराङ्कदगौरी रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। दाधापाराङ्कदगौरी के मध्य चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसका उद्देश्य रेल परिचालन क्षमता में वृद्धि, यातायात के दबाव को कम करना तथा समयपालन में सुधार लाना है। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेल संरक्षा एवं परिचालन व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन करते हुए ट्रैक, सिग्नलिंग तथा समग्र संचालन की स्थिति को परखा। निरीक्षण के क्रम में दाधापारा स्टेशन पर स्टेशन बुकिंग ऑफिस तथा सिग्नल एवं टेलिकॉम गुमटी का निरीक्षण किया गया। उन्होंने यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, टिकटिंग व्यवस्था, संचार प्रणाली एवं संरक्षा मानकों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात महाप्रबंधक ने दगौरी स्टेशन का भी निरीक्षण किया, जहां स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, परिचालन व्यवस्था एवं संरक्षा से जुड़े प्रावधानों की समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक उपायों के निर्देश दिए गए। महाप्रबंधक द्वारा बिल्हा स्टेशन पर स्टेशन निरीक्षण किया गया। यहां अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत लगभग ?8.85 करोड़ की लागत से किए जा रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों यात्री सुविधाओं के उन्नयन, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण की प्रगति का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक ने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने तथा संरक्षा एवं यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

रिश्वत लेते फूड इंस्पेक्टर को एसीबी ने किया गिरफ्तार...

बिलासपुर। एसीबी द्वारा लगातार छेड़े जा रहे व्यापक ट्रैप अभियान के तारतम्य में एसीबी द्वारा जिले में मस्तूरी क्षेत्र के फूड इंस्पेक्टर श्याम वस्त्रकार को 90 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। डीएसपी एसीबी अजितेश सिंह ने बताया कि ग्राम विद्याडीह थाना मस्तूरी निवासी महेंद्र पटेल द्वारा 3 फरवरी को एसीबी में इस आशय की शिकायत की गई थी कि ग्राम विद्याडीह में वर्तमान में शासकीय उचित मूल्य की दुकान का संचालन पंचायत कर रही है । उस दुकान को शैल स्व सहायता समूह विद्याडीह को प्रदान करने हेतु समूह के अध्यक्ष आदि के द्वारा आवेदन एसडीएम कार्यालय मस्तूरी में करीब 3 माह पूर्व दिया गया था तथा दुकान को जल्द समूह को आबंटित करने हेतु प्रयास करने हेतु समूह द्वारा महेंद्र पटेल निवासी विद्याडीह को कहा गया था जो महेंद्र पटेल द्वारा इस संबंध में फूड इंस्पेक्टर श्याम वस्त्रकार से मिलने पर वस्त्रकार द्वारा समूह के संबंध में एसडीएम के समक्ष जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने और दुकान का आबंटन आदेश जारी करवाने के एवज में 1 लाख रुपए मांग की जा रही है जो वह उन्हें रिश्वत नहीं देना चाहता बल्कि रिश्वत लेते हुए उन्हें पकड़वाना चाहता शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही गई जिस पर ट्रैप की योजना तैयार की गई ।प्रार्थी से मांगे हुए पैसे में से व्यवस्था हुई राशि 90000 रुपए को आरोपी को देने हेतु भेजा गया जिस पर श्याम वस्त्रकार द्वारा अपने महावीर सिटी स्थित आवास पर प्रार्थी से 90000 रुपए रिश्वत रकम को लिए जाने पर एसीबी टीम द्वारा उसे पकड़ लिया गया। रिश्वत में ली गई।

कुलपति सम्मेलन में 'बिलासपुर घोषणा-पत्र जारी,विश्वविद्यालयों के रूपांतरण का संकल्प

बिलासपुर । अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कुलपति सम्मेलन के दूसरे दिन रविवार को देशभर से आए कुलपतियों, शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं ने भारतीय उच्च शिक्षा को नई दिशा देने के उद्देश्य से 'बिलासपुर घोषणा-पत्र'जारी किया। सम्मेलन में विश्वविद्यालयों को समग्र मानव विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रीय आत्मविश्वास के केंद्र के रूप में विकसित करने का सामूहिक संकल्प लिया गया। सम्मेलन में इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों, 'ग्लोबल साउथ' की आकांक्षाओं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण को आधार बनाते हुए 11 प्रमुख प्रस्ताव पारित किए गए। समग्र शिक्षा पर जोर- घोषणा-पत्र में कहा गया कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल आर्थिक उत्पादकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मूल्य-आधारित नेतृत्व, नैतिक तर्क, सामाजिक संवेदनशीलता और जिम्मेदार नागरिकता का विकास भी करना चाहिए। शैक्षणिक स्वायत्तता और नवाचार - विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की गई कि वे एनईपी 2020 के तहत अपनी शैक्षणिक स्वतंत्रता का उपयोग करते हुए बहु-विषयक, लचीले और क्रेडिट-आधारित पाठ्यक्रम विकसित करें, जिससे छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। अकादमिक-उद्योग-समाज समन्वय - रोजगारपरकता, नवाचार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा जगत, उद्योग, सरकार और समाज के बीच साझेदारी मजबूत करने पर बल दिया गया। उत्तरदायी AI और कौशल विकास - घोषणा-पत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ड्ढ) के नैतिक एवं समावेशी उपयोग के माध्यम से 'ग्लोबल साउथ' की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास को प्राथमिकता देने की बात कही गई। अनुभवात्मक अधिगम और सामाजिक जुड़ाव - कक्षा-केंद्रित शिक्षण से आगे बढ़कर फील्डवर्क, इंटर्नशिप, अनुसंधान और सामुदायिक सहभागिता को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। ग्रामीण-शहरी इंटरफेस को पाठ्यक्रम में शामिल कर सामाजिक विभाजन को कम करने पर भी जोर दिया गया। सांस्कृतिक और भाषाई सशक्तिकरण - घोषणा-पत्र में भारतीय संस्कृति, विरासत, भाषाओं और स्वदेशी ज्ञान परंपराओं से शिक्षा को पुन: जोड़ने की आवश्यकता बताई गई।

विश्व चिंतन दिवस के 100 वर्ष पूर्ण, स्काउट गाइड ने दिया एकता और भाईचारे का संदेश

बिलासपुर। भारत स्काउट एवं गाइड्स जिला संघ बिलासपुर द्वारा विश्व चिंतन दिवस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ओल्ड कंपोजिट बिल्डिंग, डीईओ कार्यालय स्थित स्काउट विभाग कक्ष क्रमांक-16 के प्रांगण में संपन्न हुआ, जिसमें राज्य एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों सहित जिले भर के स्काउट-गाइड, रोवर्स और रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वधर्म प्रार्थना के साथ हुआ। प्रार्थना के माध्यम से सर्वधर्म समभाव, अनुशासन, सेवा और भाईचारे का संदेश दिया गया, जो स्काउट-गाइड आंदोलन की मूल भावना को दर्शाता है। इसके बाद कक्ष क्रमांक-6 स्थित सभा हॉल में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां सभी सदस्य एकत्रित हुए। विश्व चिंतन दिवस के उपलक्ष्य में स्काउट, गाइड, रोवर्स एवं रेंजर्स द्वारा तैयार स्लोगन, पोस्टर और बैनरों का प्रदर्शन एवं मूल्यांकन किया गया। प्रतिभागियों ने विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सेवा और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर रचनात्मक प्रस्तुतियाँ दीं। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस परेड, राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं तथा विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय सेवा देने वाले स्काउट-गाइड, रोवर्स एवं रेंजर्स को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त राज्य सचिव श्रीमती बीना यादव, अध्यक्षता पदेन जिला आयुक्त (गाइड) श्रीमती सुनीता ध्रुव ने की। विशिष्ट अतिथियों में सहायक राज्य आयुक्त स्काउट श्री विजय कुमार यादव, श्री भूपेंद्र शर्मा तथा सहायक राज्य आयुक्त गाइड डॉ. भारती दुबे उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला संघ के अनेक पदाधिकारी, स्काउटर-गाइडर एवं सदस्य भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विश्व चिंतन दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सेवा भावना को सुदृढ़ करने का अवसर है। उन्होंने संगठन के सिद्धांतों का पालन करते हुए समाज सेवा में निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम अनुशासन, उत्साह और संगठनात्मक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा तथा शताब्दी वर्ष का यह आयोजन स्काउट-गाइड आंदोलन के प्रति समर्पण और सेवा भावना को और मजबूत करने वाला सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में जिला सचिव सुश्री लता यादव, जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री महेन्द्र बाबू टंडन, जिला संगठन आयुक्त गाइड डॉ पूनम सिंह, एल.टी.स्काउट श्री देवब्रत मिश्रा, डॉ.नवनीत कौशिक, श्री शत्रुघन सूर्यवंशी, श्री सूर्यकांत खूंटे, श्री निखिल सिंह, श्री शशांक विश्वकर्मा, गाइडर के रूप में प्री.ए.एल.टी गाइड पुष्पा शर्मा, श्रीमती लक्ष्मी बृजवासी, श्रीमती रागिनी चौधरी, श्रीमती मिंदु साडे, डॉ.शीला शर्मा, श्रीमती शशिकला साहू, सुश्री निशा साहू, सुश्री कौशल्या साहू, स्काउट-गाइड रोवर्स-रेंजर्स, स्काउटर-गाइडर मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

छग में ईडब्ल्यूएस आरक्षण अब तक लागू क्यों नहीं ?

बिलासपुर। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में लागू किए गए 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ छत्तीसगढ़ के युवाओं को अब तक नहीं मिल सका है। सात वर्ष बीत जाने के बाद भी राज्य में यह प्रावधान प्रभावी नहीं हो पाया है। परिणामस्वरूप हजारों पात्र युवा शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लाभ से वंचित हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में संविधान संशोधन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया था। देश के अनेक राज्यों में यह व्यवस्था लागू भी हो चुकी है, किंतु छत्तीसगढ़ में यह अब तक अमल में नहीं आ सकी है। राज्य में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों की सरकारें रहीं, परंतु ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर ठोस निर्णय नहीं लिया जा सका। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। जस्टिस ए.के. प्रसाद की एकलपीठ ने याचिकाकर्ता पुष्पराज सिंह व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार से पूछा कि आखिर प्रदेश में ईडब्ल्यूएस आरक्षण अब तक लागू क्यों नहीं किया गया। कोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे ।याचिका में तर्क दिया गया है कि जब मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण प्रभावी है, तो छत्तीसगढ़ के युवाओं को इससे वंचित रखना समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

भगवान की आरती करने का सही तरीका क्या है?

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। मान्यता है कि जिस घर में नियमित पूजा-पाठ होता है, वहां सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। लेकिन कोई भी पूजा बिना आरती के अधूरी मानी जाती है। भगवान की आरती का खास महत्व होता है। यह भक्ति, ध्यान और समर्पण के भाव को दर्शाता है। मान्यता है कि अगर आरती सही विधि और मन से की जाए, तो इससे कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं। लेकिन बहुत से कम लोग जानते हैं कि आरती करने का भी एक सही तरीका होता है। चलिए आज जानते हैं कि आरती का सही तरीका क्या है और इससे लाभ क्या है।

अक्सर आपने देगा होगा कि देवी और देवताओं की आरती घी के दीपक या कपूर से करते हैं। इस दौरान संबंधित देवी और देवता की आरती भी गाते हैं और आरती की थाल को देवताओं के सामने घुमाते भी हैं। लेकिन इसे घुमाने का भी तरीका शास्त्रों में बताया गया है।

कितनी बार घुमाएं आरती की थाल

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक आरती की शुरुआत में हमेशा भगवान चरणों से करनी चाहिए। उनके चरणों में थाली को चार बार घुमाना शुभ माना जाता है। इसके तुरंत बाद भगवान की नाभि की ओर दो बार थाल को घुमाना सही माना जाता है। फिर भगवान के चेहरे के सामने आरती करनी चाहिए। इस बार थाल सिर्फ एक बार घुमाना है। आखिरी में भगवान के पूरे शरीर पर आरती की थाली सात बार घुमानी चाहिए। माना जाता है कि इस तरह कुल 14 बार आरती घुमाने से चौदह भुवनों तक आपकी भक्ति पहुंचती है।

आरती करते समय ध्यान रखें ये बातें

- आरती हमेशा खड़े होकर करना चाहिए। बैठकर आरती कभी नहीं करना चाहिए।
- आरती हमेशा झुककर करना चाहिए। इसे भक्ति का प्रतीक माना जाता है।
- आरती की थाली सही धातु की हो- तांबे, पीतल या चांदी की थाली में आरती करें।

- आरती करने के लिए गाय के घी में डूबी हुई रुई की 5 बत्तियों का दीपक जलाएं। इसे पंच प्रदीप कहा जाता है।

आरती से लाभ

- आरती से मन की नकारात्मकता कम होती है और मन शांत होता है।
- आरती के दौरान दीपक और मंत्रों से वातावरण शुद्ध होता है।
- नियमित आरती करने से ध्यान और आत्म-नियंत्रण मजबूत होता है।
- मान्यता है कि नियमित आरती से घर में शांति और शुभता बनी रहती है।

10 मिनट में करें परफेक्ट मेकअप

ऑफिस के लिए हर महिला अपने मुताबिक तैयार होकर जाती है। ऐसे में एक चीज जो सभी में कॉमन होती है वह है मेकअप। मेकअप और ड्रेसिंग सेंस से लड़कियों का आत्म विश्वास काफी बढ़ जाता है। हालांकि, ऑफिस के लिए कैसा मेकअप करें इसे लेकर ज्यादातर लड़कियों को कंफ्यूजन रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार मेकअप डार्क हो जाता है या फिर कई बार बहुत लाइट हो जाता है। ऐसे में आज हम आपको ऑफिशियल मेकअप करने का सही तरीका बता रहे हैं। अगर आप यहां बताए गए मेकअप स्टेप्स को अपनाएंगी तो 10 मिनट में मेकअप करके तैयार हो जाएंगी।

प्राइमर :- एक बार जब आप चेहरा धो कर मॉइश्चराइजर लगा लेते हैं तो अपनी स्किन को तैयार करने और अपने मेकअप को बेहतर दिखाने के लिए प्राइमर का इस्तेमाल करें। प्राइमर बड़े रोमछिद्रों कोकम कर सकता है और आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रख सकता है। इन दिनो कुछ प्राइमर ऐसा भी आ रहे हैं जो फिल्टर वाला लुक देते हैं तो आप इस तरह के प्राइमर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

फाउंडेशन :- ऑफिस मेकअप में हल्के और लंबे समय तक टिकने वाले फाउंडेशन का इस्तेमाल करें जो आपकी स्किन के रंग से मैच होता हो।

कंसीलर :- दाग-धब्बों और काले घेरों को छिपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें।

आईलाइनर :- ऑफिस मेकअप में जेल बेस्ड आईलाइनर का इस्तेमाल करें। ये आसानी से खराब नहीं होगा। अच्छे लुक के लिए आईलाइनर की एक पतली लेयर लगाएं और फिर इसे थोड़ा स्मज कर दें।

ब्लश :- अपने गालों और नाक के ऊपरी हिस्से पर थोड़ी ब्लश लगाएं। बहुत ज्यादा डार्क रंग का ब्लश लगाने से बचें। ऑफिस लुक में नैचुरल रंग का ब्लश ही अच्छा लगता है।

होंठ :- अपने होठों को लिप कलर से भरें। ऑफिस के लिए आप हल्के रंगों को ही चुनें।

आंखें :- ट्रांसपेरेंट मस्कारा लगाकर ऑफिस मेकअप लुक को पूरा करें।

घर में ड्राइंग रूम किस दिशा में बनवाना चाहिए ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का निर्माण किया जाता है। कई बार जाने-अनजाने में गलत दिशा में घर या कमरा बनवाने से वास्तु दोष का प्रभाव बना रहता है। घर का सेंटर पॉइंट माना जाता है लिविंग रूम। घर के ड्राइंग रूम में पॉजिटिव एनर्जी बनाए रखना बेहद जरूरी है। सिर्फ मेहमान ही नहीं घर के सदस्य भी ड्राइंग रूम का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं ड्राइंग रूम किस दिशा में बनवाना चाहिए व ड्राइंग रूम से जुड़े कुछ वास्तु टिप्स-

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में ड्राइंग रूम उत्तर-पूर्व अथवा उत्तर-पश्चिम दिशा में होना या बनवाना शुभ माना जाता है। ड्राइंग रूम का निर्माण इस तरीके से करवाना चाहिए की सूर्य की रौशनी कमरे में आती रहे। कमरे में जितना प्राकृतिक प्रकाश आएगा उतना ही शुभ रहेगा। ड्राइंग रूम में सोफा आदि दक्षिण अथवा पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। हल्का फर्नीचर उत्तर एवं पूर्व दिशा में रखना चाहिए। ड्राइंग रूम का ईशान कोण यथा संभव खाली या बहुत हल्का होना चाहिए यानि इस दिशा में ज्यादा सामान नहीं रखना चाहिए। ड्राइंग रूम में पूर्व एवं उत्तर दिशा में खिड़की होना आवश्यक है। ड्राइंग रूम की दीवारों पर हल्के रंग का पेंट करवाना अच्छा माना जाता है। ड्राइंग रूम में सेंटर टेबल पर एक क्रिस्टल का लोटस रखना शुभ फलदायी होता है। ड्राइंग रूम का एंट्री गेट उत्तर या पूर्व की दिशा में होना बेहद शुभ माना जाता है। वहीं, ड्राइंग रूम के अंदर उत्तर या पूरब की दिशा में खिड़कियां होना बेहद शुभ माना जाता है।

ठंड में दमकती त्वचा के लिए अपनाएं आयुर्वेदिक स्किन केयर

आयुर्वेद में हर समस्या से निपटने का इलाज है, अच्छी बात यह है कि ये इलाज नैचुरल है। जिसे हर कोई फॉलो कर सकता है। बात स्किन केयर की करें तो आयुर्वेद में त्वचा देखरेख का मतलब स्किन डिटॉक्स करने और ब्लड सर्कुलेशन सही रखने से है। सर्दियों में स्किन की सबसे कॉमन प्रॉब्लम है ड्राईनेस, इससे निपटने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीकों को अपना सकते हैं। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉक्टर के अनुसार इन तरीकों के बारे में बताया गया है, जानिए।

1) अभ्यंग

आयुर्वेद सर्दियों के दौरान नियमित अभ्यंग यानी तेल मालिश का सुझाव देता है। इससे करवाने पर कई फायदे मिलते हैं, जिनमें उम्र बढ़ने में देरी, थकान से राहत और वात दोष यानी दर्द को शांत करता है। ये सर्दियों में काफी असरदार होता है और स्किन की ड्राईनेस को खत्म कर सकता है।

2) अटापा-सेवाना

सर्दियों के दौरान सुबह की सूरज की किरणों के संपर्क में आना आरामदायक होता है। ऐसे में आयुर्वेद सुझाव देता है अटापा-सेवन यानी अभ्यंग के बाद जो आपकी स्किन में तेल के उचित अवशोषण में मदद करता है। इसी के साथ विटामिन डी पाने में मदद करता है।

3) व्यायाम

व्यायाम करने के लिए सर्दी सबसे अच्छा मौसम है। क्योंकि इस समय सभी के शरीर में ज्यादा ताकत होती है। सर्दियों के दौरान सूरज की रोशनी में शरीर की क्षमता के अनुसार व्यायाम करने से आपको पूरे दिन गर्म और एनर्जेटिक रहने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि व्यायाम आपके शरीर की अग्नि को उत्तेजित करता है जो आपकी स्किन को गर्म रखता है और पाचन क्षमता को बढ़ाता है।

4) स्नान

आयुर्वेद सर्दियों के दौरान गुनगुने पानी से स्नान करने का सुझाव देता है। हालांकि, गर्म पानी से नहाने से क्योंकि ये आपकी स्किन डिहाईड्रेट करता है और आपकी स्किन ज्यादा ड्राई हो जाती है और फटने का खतरा होता है, इसलिए सर्दियों में गर्म पानी के बजाय गुनगुने पानी से नहाने को चुनना सबसे अच्छा है।

5) नस्य

नस्य मतलब नाक में औषधीय तेल डालना। यह सिरदर्द, माइग्रेन, साइनस कंजेशन, एलर्जी, नाक से खून आना, सफेद बाल, बालों का झड़ना, अनिद्रा आदि में मदद करता है। सोते समय दोनों नाक में A2 गाय का घी या तिल का तेल की 2 बूंदें डालने से सर्दियों में अच्छी नींद आती है।

6) पाद-अभ्यंग

घी, तिल या सरसों के तेल से पैरों की मालिश करें। ऐसा करके आपके तलवों को फटने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा आपके दिमाग और शरीर को आराम मिलता है और ब्लड फ्लो में सुधार होता है।

हाई बीपी को नेचुरली कंट्रोल रखते हैं ये योगासन

बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल, खानपान की खराब आदतें और जरूरत से ज्यादा तनाव, आज ज्यादातर लोगों के लिए हाई बीपी का कारण बनता जा रहा है। लंबे समय तक बना हुआ हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और किडनी फेलियर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। यही वजह है कि इस समस्या को साइलेंट किलर के नाम से भी जाना जाता है। अगर आप भी हाई बीपी की समस्या से परेशान हैं तो अपने डेली रूटीन में योग को जरूर जगह दीजिए। नियमित रूप से योगासन करने से हाई बीपी को कंट्रोल रखने में मदद मिल सकती है। योग न केवल तंत्रिकाओं को शांत करता है, बल्कि तनाव दूर करके बीपी को नेचुरली कंट्रोल करने में भी मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे ही दो योगासनों के बारे में, जिनका नियमित अभ्यास आपके बीपी को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है।

सेतुबंधासन

सेतुबंधासन को अंग्रेजी में ब्रिज पोज के नाम से भी जाना जाता है। यह आसन न केवल ब्लड प्रेशर को प्रभावी ढंग से कम करने में मदद करता है, बल्कि गठिया के दर्द में भी राहत देकर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इस आसन को करते समय साधक को अपनी गर्दन, रीढ़ और चेस्ट में स्ट्रेच महसूस होता है। जिससे उसे अपनी परेशानी में आराम मिलता है।

सेतुबंधासन करने का तरीका

सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल सीधा लेटकर घुटनों और कोहनियों को मोड़ें। इसके बाद अपने पैरों को फर्श पर कूल्हों के पास और अपने हाथों को सिर के दोनों तरफ मजबूती से रखें। अब अपने दोनों हाथों और पैरों को जमीन पर सहारा देते हुए धीरे-धीरे शरीर को हवा में उठाने की कोशिश करें। ऐसा करते हुए आपका शरीर ब्रिज के समान बन जाएगा। अब इस मुद्रा में 20 सेकंड के लिए बने रहें। तय समय बाद धीरे-धीरे शरीर को पहले की मुद्रा में वापस ले आएं।

दही खाने का सही तरीका क्या है?

जानें फायदे

दही (Curd) इंडियन फूड का अहम हिस्सा है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को मजबूत करते हैं और इम्युनिटी बढ़ाते हैं,लेकिन सर्दियों में अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है कि क्या ठंड के मौसम में दही खाना सही है? कहीं यह सर्दी-खांसी तो नहीं बढ़ाता?आयुर्वेद के अनुसार दही का सेवन सही तरीके और सही समय पर किया जाए तो यह नुकसान नहीं बल्कि फायदा ही देता है।

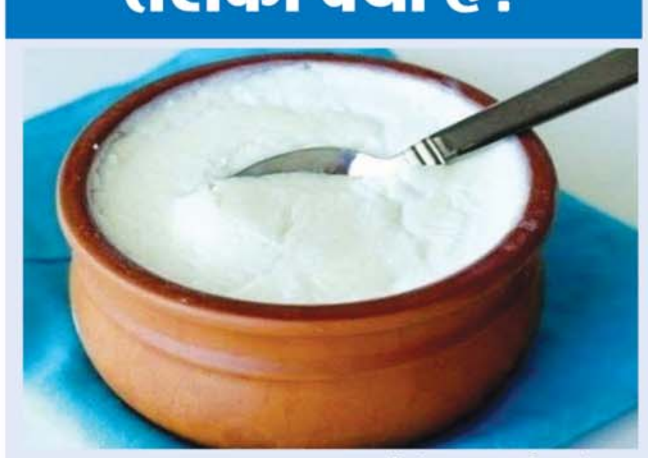

आयुर्वेद के अनुसार दही का सेवन सही तरीके और सही समय

दही कैसे खाएं?

दही सीधा फ्रिज से निकालकर न खाएं। खाने से पहले इसमें काली मिर्च, भुना जीरा या सोंठ (सूखी अदरक) मिलाएं। दही को मट्ठा (छाछ) बनाकर पीना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। दही के साथ चावल या रात का भोजन अवॉइड करें।

दही शरीर के लिए ठंडा या गर्म होता है?

आयुर्वेद के अनुसार दही की तासीर ठंडी नहीं बल्कि भारी (गुरु) होती है। यह कफ बढ़ाने वाली होती है, इसलिए ठंड के मौसम में अधिक मात्रा में दही खाने से बलगम की समस्या हो सकती है।

क्या सर्दी-खांसी में दही खाना ठीक है?

नहीं, अगर आपको – सर्दी, खांसी, जुकाम, गले में खराश है, तो दही से परहेज करना चाहिए। दही कफ को बढ़ा सकती है और समस्या को लंबा खींच सकती है।

आयुर्वेद के अनुसार दही खाने का सबसे अच्छा समय क्या है?

दोपहर (Lunch time) दही खाने का सबसे अच्छा समय है। सुबह खाली पेट और रात में दही खाना आयुर्वेद में वर्जित माना गया है। दिन में पाचन अग्नि मजबूत होती है, जिससे दही आसानी से पच जाती है।

दही खाते समय क्या सावधानियां बरते?

रात में दही न खाएं। दही + दूध का कॉम्बिनेशन न लें। बहुत खट्टी दही अवॉइड करें। बच्चों और बुजुर्गों को सीमित मात्रा में दें।

लड्डू बनाते समय कुछ आसान कुकिंग टिप्स

ज्यादातर घरों में लोग मेवे, गोंद, तिल जैसी कई चीजों के लड्डू बनाकर पहले से ही स्टोर कर लेते हैं। ये लड्डू ना सिर्फ खाने में बेहद टेस्टी होते हैं, बल्कि शरीर की गर्माहट बनाए रखकर सेहत को भी कई तरह के फायदे देते हैं। हालांकि कई बार लड्डू बनाते समय की गई कुछ छोटी-छोटी गलतियां ना सिर्फ लड्डू का स्वाद बल्कि उसकी बनावट भी खराब कर देती हैं। जिससे लड्डू खाने में सख्त पत्थर जैसे लगने लगते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो अगली बार लड्डू बनाते समय इन आसान कुकिंग टिप्स को जरूर फॉलो करें। ताकि आपके लड्डू भी परफेक्ट बन सके।

अनुपात का रखें ध्यान

लड्डू बनाते समय सबसे पहले उसमें डाली जीने वाली हर चीज के सही अनुपात का ध्यान रखें। आटे में घी की मात्रा कम रहने से लड्डू सख्त बनते हैं। ऐसे में लड्डू बनाते समय घी की मात्रा की खास ख्याल रखें। लड्डू में पर्याप्त मात्रा में डाला गया घी उन्हें नरम बनाता है।

मीठा डालते हुए

लड्डू में मिठास बनाए रखने के लिए उसमें चीनी या गुड़ का मिश्रण डालने से पहले कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। अगर आप लड्डू में पाउडर चीनी का यूज कर रहे हैं, तो इसे लड्डू के ठंडे मिश्रण में मिलाएं। जबकि गुड़ का यूज करने पर इसे घी में हल्का पिघलाकर डालें। चीनी की चाशनी डालते समय ध्यान रखें कि एक तार की चाशनी लड्डू को सॉफ्ट बनाए रखती है।

सही तरह से भूना हुआ हो लड्डू का मिश्रण

अगर लड्डू के बेसन या आटे की भुनाई अच्छी तरह से नहीं होती है तो लड्डू के स्वाद में कच्चापन आने के साथ वो सख्त भी बनते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि लड्डू का आटा हमेशा धीमी आंच पर भूना जाता है, जिससे वो अंदर तक पक जाता है। आटे को लो फ्लेम पर तब तक भूनें, जब तक उसका रंग हल्का भूरा होने के साथ अच्छी खुशबू ना देने लगें।

खिलाड़ियों में दिखेगा अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रीय एकता का जज्बा - डिप्टी सीएम विजय शर्मा

14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ

दुर्ग, 23 फरवरी/ प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल भिलाई में 23 से 27 फरवरी तक आयोजित 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। यह प्रतियोगिता अखिल भारतीय पुलिस कंट्रोल बोर्ड, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है।

प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 437 प्रतिभागियों जिसमें 285 पुरुष एवं 152 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी टीम मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। तीरंदाजी प्रतियोगिता के तीन प्रमुख इवेंट इंडियन राउंड, रिकर्व एवं कंपाउंड शामिल हैं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों एवं केंद्रीय बलों से आए सभी खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर हृदय से स्वागत और अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है कि इतने प्रतिष्ठित स्तर की अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर राज्य को प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का सशक्त साधन हैं। देश के कोने-कोने से आए खिलाड़ी यहां एक मंच पर एकत्र हुए हैं, जो भारत की ÷विविधता में एकता÷ की भावना को साकार करते हैं। विशेष रूप से पुलिस एवं केंद्रीय बलों के खिलाड़ी, जो देश की सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं, खेल मैदान में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है। प्रतियोगिता में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों की उपस्थिति इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाती है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। छत्तीसगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति कलर अवार्ड से सम्मानित किया जाना पूरे प्रदेश के लिए सम्मान की बात है। नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, आधुनिक तकनीकों का उपयोग, ड्रोन के माध्यम से पेट्रोलिंग और सुरक्षा व्यवस्था में निरंतर सुधार ये सभी छत्तीसगढ़ पुलिस की दक्षता और प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार, प्रशासन, पुलिस विभाग एवं नगर निगम द्वारा उनके आवास, स्वास्थ्य, परिवहन और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और पूर्व में वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन इसका उदाहरण है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर, अपने-अपने राज्यों और बलों का नाम रोशन करें। इसके अलावा अतिथि के रूप में मौजूद दुर्ग महापौर अलका बाघमार ने कहा कि खेल जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। खेल शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता के विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों के बीच सामंजस्य और एकता की भावना खेलों से ही विकसित होती है। सभी खिलाड़ियों के लिए निवास, परिवहन एवं सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि उन्हें सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण मिल सके। इस अवसर पर डीजीपी अरूण देव गौतम, एडीजी विवेकानन्द सिन्हा, एडीजी एसआरपी कल्लूरी, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

धार्मिक आयोजनों की शुचिता पर सर्व हिंदू समाज का कड़ा रुख; प्रशासन से की 'नाम पट्टिका' अनिवार्य करने की मांग

दुर्ग। हिंदू धार्मिक क्षेत्रों, मेलों और शोभायात्राओं की पवित्रता बनाए रखने के लिए सर्व हिंदू समाज ने एकजुट होकर प्रशासन के समक्ष अपनी मांगों का एक चार्टर रखा है। समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों और मेलों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश और व्यापारिक दखल को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

सुरक्षा और शुचिता पर जताई चिंता- प्रशासन को सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया है कि धार्मिक आयोजनों में पहचान छिपाकर व्यापार करने वाले असामाजिक तत्वों के कारण विवाद की स्थितियां बनती हैं। समाज ने आरोप लगाया कि पहचान छिपाकर व्यापार करने वाले लोग न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत करते हैं, बल्कि महिलाओं के साथ अभद्रता और खाद्य पदार्थों में अशुद्धता (थूक, गंदगी आदि) मिलाने जैसी घटनाओं को भी अंजाम देते हैं।

हरिद्वार और कुंभ की तर्ज पर मांग

सर्व हिंदू समाज ने मांग की है कि जिस तरह हरिद्वार की हर की पौड़ी और कुंभ क्षेत्र में मर्यादा का पालन सुनिश्चित किया जाता है, उसी प्रकार जिले के सभी धार्मिक मेलों और क्षेत्रों में भी व्यवस्था लागू की जाए।

प्रमुख मांगें:

प्रवेश एवं व्यापार पर रोकः हिंदुओं के धार्मिक कार्यक्रमों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश और व्यापारिक गतिविधियों को पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए।

प्रोपराइटर का नाम अनिवार्यः जिले के सभी छोटे-बड़े व्यापारियों और ठेलों पर प्रोपराइटर का नाम और पहचान स्पष्ट रूप से बोर्ड पर लिखना अनिवार्य किया जाए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्थाः सभी धार्मिक शोभायात्राओं और आयोजनों में पुलिस प्रशासन द्वारा पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किया जाए ताकि पथराव और विवाद की घटनाओं को रोका जा सके। प्रतिनिधियों का कहना है कि यह निर्णय धार्मिक अनुष्ठानों की पवित्रता और समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

सांस्कृतिक स्वाभिमान का शंखनाद, पंडरिया में 165 आदिवासी नागरिकों की घर वापसी, विधायक भावना बोहरा ने पैर पखारकर किया सम्मान

विधायक भावना बोहरा द्वारा सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में सार्थक पहल, पंडरिया विधानसभा के 165 आदिवासी लोगों ने की अपने मूल धर्म में घर वापसी

पंडरिया विधानसभा के आदिवासी परिवार के लगभग 165 लोगों ने की घर वापसी, विधायक भावना बोहरा ने पैर पखारकर किया अभिनंदन

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया विधानसभा में निरंतर सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार से लेकर आदिवासी एवं वनवासी संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में सार्थक प्रयास किये जा रहें हैं। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल क्षेत्रों से लगभग 165 आदिवासी परिवारों के सदस्यों ने अपने मूल धर्म एवं परंपराओं में पुनः आस्था व्यक्त करते हुए घर वापसी की। यह आयोजन ग्राम कुल्हीडोंगरी में प्राथमिक शाला के पास आयोजित संस्कृति गौरव सम्मान एवं अभिनंदन समारोह में संपन्न हुआ। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने सभी लौटे हुए जनजातीय भाई-बहनों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके पैर पखारकर सम्मान प्रकट किया। यह क्षण सांस्कृतिक आत्मगौरव और सामाजिक एकता का प्रतीक बन गया।

सनातन संस्कृति के संरक्षण हेतु सतत प्रयास-विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में निरंतर सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा आदिवासी एवं वनवासी परंपराओं के संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उनके जमीनी स्तर के कार्यों से वनांचल क्षेत्रों में निवासरत जनजातीय परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। साथ ही, भोले-भाले आदिवासी समाज को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने वालों के इरादों पर कड़ा प्रहार हो रहा है।

विधानसभा के अब तक 400 से अधिक आदिवासी नागरिकों की घर वापसी-यह पहल केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है। इससे पूर्व भी विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में घर वापसी हुई है। नेऊर क्षेत्र के आसपास के गांवों से 115 नागरिक, कुई-कुकदुर क्षेत्र से 70 नागरिक एवं ग्राम दमगढ़ से 50 नागरिक और आज कुल्हीडोंगरी में 165 नागरिकों की वापसी के साथ, पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों से अब तक लगभग 400 से अधिक आदिवासी नागरिक अपने मूल धर्म और सांस्कृतिक जड़ों से पुनः जुड़े हैं। यह केवल आस्था नहीं, सांस्कृतिक अस्मिता और आत्मगौरव का अभियान है। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्र के लगभग 165 आदिवासी परिवारों के सदस्यों ने अपने मूल धर्म और परंपराओं में पुनः विश्वास व्यक्त करते हुए समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का संकल्प लिया है। यह केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता, सामाजिक एकता और आत्मगौरव से जुड़ा व्यापक सामाजिक अभियान है। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी के कारण पूर्व में कुछ लोगों द्वारा प्रलोभन या दबाव के माध्यम से धर्मांतरण कराया गया। परंतु डबल इंजन भाजपा सरकार के आगमन के बाद विकास कार्यों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से वनांचल क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

बुलंद हौसलों की 'दृष्टि' : नेत्रहीन नेहा ने दी PSC परीक्षा, काजल बनीं उनकी कलम

अंधेरे को मात देकर अफ़सर बनने की जिद: दुर्ग की नेहा ने पेश की मिसाल, 11वीं की छात्रा ने दिया साथ

दुर्ग। लोकतंत्र प्रहरी। कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों तो शारीरिक बाधाएं मंजिल का रास्ता नहीं रोक सकतीं। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है दुर्ग की नेहा ने। रविवार को आयोजित छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) की प्रारंभिक परीक्षा 2025 में नेहा यमराज ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नेहा नेत्रहीन हैं, लेकिन उनकी आंखों में एक बड़े प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना पूरी चमक के साथ मौजूद है।

ससेजेस जेआरडी स्कूल में दी परीक्षास- नेहा ने परीक्षा केंद्र क्रमांक 0505 (सेजेस जेआरडी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग) से अपनी परीक्षा दी। नेहा के बुलंद हौसले को देखते हुए जिला प्रशासन ने उनके लिए विशेष इंतजाम किए थे। उन्हें परीक्षा देने के लिए एक पृथक कक्ष उपलब्ध कराया गया।

काजल बनीं नेहा की आवाज और कलमस- नेहा की आंखों की कमी को दूर करने और उनके लेखन कार्य में सहयोग देने के लिए 11वीं कक्षा की छात्रा काजल बंजारे सामने आई। काजल ने पूरी परीक्षा के दौरान नेहा के लिए 'स्क्राइब' (सहयोगी लेखक) की भूमिका निभाई।

कलेक्टर ने बढ़ाया उत्साह- निरीक्षण के दौरान केंद्र पहुंचे कलेक्टर अभिजीत सिंह ने नेहा के जज्बे की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने केन्द्राध्यक्ष को सख्त निर्देश दिए कि परीक्षार्थी नेहा के लिए कक्ष में उचित प्रकाश, पेयजल और बिजली कटने की स्थिति में इमरजेंसी लाइट का पुख्ता प्रबंध रखा जाए। दुर्ग और भिलाई के 25 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में नेहा की कहानी चर्चा का विषय बनी रही, जो यह साबित करती है कि लक्ष्य पाने के लिए दृष्टि से ज्यादा दृष्टिकोण की जरूरत होती है।

विश्व चिंतन दिवस पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

कवर्धा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं जिला संगठन आयुक्त स्काउट अजय चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में भोरमदेव ओपन रोवर क्रू (स्काउट दल) एवं मां सिंहवाहिनी ओपन रेंजर टीम (गाइड टीम) कवर्धा के रोवर-रेंजर ने सयुंक्त रूप से स्काउट-गाइड के संस्थापक लार्ड रॉबर्ट स्टीफेंसन स्मिथ बेडेन पावेल एवं मिस एग्नेस बेडेन पावेल के जन्मदिवस के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन नगर के शासकीय प्रमुख प्राथमिक शाला कवर्धा में प्रधान पाठक सी डी भट्ट के आतिथ्य में किया गया। जिसे सम्पूर्ण विश्व ÷विश्व चिंतन दिवस÷ के रूप में मनाया जाता है। रोवर स्काउट लीडर विजय कुमार साहू के नेतृत्व में सर्वधर्म प्रार्थना क्रमशः प्रातः स्मरण, सरस्वती वंदना, गुरु महिमा, रघुपति राघव राजाराम, जय बोलो सत धर्मो की, सभी धर्मों की प्रार्थना (व्यक्तिगत), मौन प्रार्थना, वी शैल ओव्हरकम, हर देश में तू हर भेष में तू व शांतिपाठ के साथ प्रार्थना संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान पाठक सीडी भट्ट ने अपने विद्यार्थी जीवन का परिचय देते हुये कहा स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर अपने अनुशासन के लिये जाने जाते है तथा वर्त्तमान समयानुसार अपने आपको सक्रिय रखें। साथ ही साथ यह विद्यालय स्काउटिंग गतिविधियों के लिये सदा खुला रहेगा। रोवर लीडर विजय कुमार साहू ने बताया कि विद्यालय परिसर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ क्रमांक 264 में सुना 'मन की बात' का 131वां प्रसारण

कवर्धा। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार 22 फरवरी को प्रातः 11 बजे प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम की 131वीं कड़ी को कवर्धा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत भाजपा शहर मंडल के बूथ क्रमांक 264 में सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और कार्यक्रम के विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। वक्ताओं ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देशवासियों से सीधे संवाद स्थापित करते हैं तथा समाज के विभिन्न प्रेरणादायी कार्यों, नवाचारों और जनभागीदारी के उदाहरणों को सामने लाते हैं। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष अशोक चंद्रवंशी, जिला महामंत्री मुकेश सिंह ठाकुर, जिला सामग्री व्यवस्था प्रभारी सुरेश दुबे तथा मंडल शहर उपाध्यक्ष कमलेश द्विवेदी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जनसहभागिता को बढ़ावा मिलता है। अंत में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता शासन की योजनाओं एवं संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

छत्तीसगढ़ विश्वकर्मा झेरिया लोहार समाज के कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक का आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा छत्तीसगढ़ विश्वकर्मा झेरिया लोहार समाज के युवक युवति परिचय सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कार्यक्रम लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि झेरिया लोहार समाज द्वारा आज जो युवक युति परिचय सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन का आयोजन किया गया है वह बहुत ही अनुकरणीय पहल है सभी समाज को इस तरह के पहल करते रहनी चाहिए इससे न केवल विवाह योग्य युवक यूतियों को अपने जीवनसाथी का चुनाव करने में आसानी होती है बल्कि इससे समाज में होने वाला अनर्गल खर्चे में भी कमी आती है समाज के लोग सभी एक स्थान में बैठकर एक दूसरे से बातचीत करके आपसी समझ बनाकर न केवल नवयुगलों को अपना आशीर्वाद देते हैं बल्कि कहीं ना कहीं समाज में आपसी सौहार्दता कभी माहौल बनता है पारिवारिक मिलन के माध्यम से ऐसे ही शुभ अवसरों पर लोग आपस में मिल पाते हैं अपना सुख-दुख बांट पाते हैं आज के आडंबर युक्त जीवन शैली में इस तरह के आयोजन बहुत ही प्रशंसनीय है छत्तीसगढ़ विश्वकर्मा झेरिया समाज के प्रबुद्ध जनों से मेरा एक ही निवेदन है समाज में शिक्षा और विशेष कर बालिका शिक्षा को सर्वोपरि मानकर सभी घरों में इसे प्राथमिकता देने साथ ही साथ इस आयोजन में मुझे आमंत्रित करने के लिए समाज का साधुवाद है इस अवसर पर श्रीमती माधुरी रवि परगनिया जनपद अध्यक्ष बेरला तुलसी पटेल पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी भिलाई एवं शुभम वर्मा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बेरला सीमा टिकरिया जनपद सदस्य बेरला ललित विश्वकर्मा जिला कांग्रेस प्रभारी मंत्री रामस्वरूप विश्वकर्मा प्रदेश सचिव विश्वकर्मा समाज राधेलाल विश्वकर्मा कार्यकारिणी अध्यक्ष विश्वकर्मा समाज सुरेश विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष विश्वकर्मा समाज बलदाऊ शर्मा अध्यक्ष मां कार्य कन्या समिति भैंस बोर्ड बेरला भोजराम विश्वकर्मा संरक्षक विश्वकर्मा समाज तथा मुकुर राम विश्वकर्मा संरक्षक विश्वकर्मा समाज सहित समाज के गण मान्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com